R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 129
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 दबंग युवक ने वृद्ध की पिटाई कर किया घायल
5 मकर संक्रांति स्नान पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की ...
7 'आइटम सॉन्ग करके अच्छा' 52 साल की मलाइका

एस जयशंकर ने सेना दिवस के अवसर पर जवानों के साहस को सलाम, देश उनकी निस्वार्थ सेवा का सदा ऋणी रहेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को सलाम किया। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा आज सेना दिवस पर हमारे सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प को सलाम। राष्ट्र उनके निस्वार्थ सेवा के लिए उनके और उनके परिवारों के प्रति सदा कृतज्ञ रहेगा। भारत में हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है, यह दिवस लेफ्टिनेंट जनरल कोडंडेरा एम. कारियाप्पा (जो बाद में फील्ड मार्शल बने) द्वारा 15 जनवरी 1949 को भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल फ्रांसिस रॉय बुचर से भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण करने की स्मृति में मनाया जाता है। राष्ट्रपति ने भी सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस दिन को उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि बताया, जो दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने पत्र में लिखा कि मैं 2026 के सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को हार्दिक बधाई देती हूँ। सेना दिवस हमारे उन सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को याद करने का दिन है जो राष्ट्र की सेवा में अडिग हैं। भारतीय सेना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार है। इसने सीमाओं की रक्षा करने और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जीवन बचाने में व्यावसायिकता, प्रतिबद्धता और वीरता की उच्चतम परंपराओं को निरंतर कायम रखा है। मैं ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के वीरतापूर्ण प्रदर्शन और उत्कृष्ट सफलता की सराहना करती हूँ। राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय सेना राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान जारी रखेगी और आर्थिक प्रगति एवं समावेशी विकास को सुगम बनाएगी। मैं अपने सैनिकों को सलाम करता हूं और भारतीय सेना के प्रति राष्ट्र की अटूट कृतज्ञता को दोहराता हूं तथा सभी रैंकों के जवानों को उनके नेक कर्तव्य में निरंतर सफलता, शक्ति और गौरव की कामना करता हूं।

मणिकर्णिका घाट पर चल रहे विकास को लेकर बड़ा विवाद
अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति तोड़ने का लगा आरोप, मोदी पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में स्थित मणिकर्णिका घाट इन दिनों पुनरुद्धार और पुनर्विकास कार्य को लेकर विवाद के केंद्र में है। घाट पर चल रहे निर्माण और अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान देवी अहिल्याबाई होलकर की लगभग सौ वर्ष पुरानी मूर्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों ने स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक हलचल मचा दी है। प्रशासन जहां इसे गलतफहमी बता रहा है, वहीं विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के साथ साथ राजनीतिक दलों ने इसे विरासत और आस्था पर हमला करार दिया है।

वाराणसी में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व पाल समाज समिति के सदस्यों ने करते हुए आरोप लगाया है कि पुनरुद्धार के नाम पर बिना किसी पूर्व सूचना के मणिकर्णिका घाट के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की जा रही है और इसी क्रम में देवी अहिल्याबाई होलकर की ऐतिहासिक मूर्ति को हटा दिया गया या क्षतिग्रस्त किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह मूर्ति केवल पत्थर की प्रतिमा नहीं बल्कि समुदाय की आस्था और इतिहास का प्रतीक है।

प्रदर्शन को मराठी समुदाय के कुछ वर्गों, धनगर समाज और अन्य स्थानीय समूहों का भी समर्थन मिला। सनातन रक्षक दल के अध्यक्ष अजय शर्मा ने आरोप लगाया कि घाट पर कई प्रतिष्ठित और प्राण प्रतिष्ठित मूर्तियों को मशीनों से तोड़ा गया। उन्होंने कहा कि जिन प्रतिमाओं में प्राण प्रतिष्ठा की जाती है, उन्हें जीवित माना जाता है और इस तरह का ध्वस्तीकरण धार्मिक भावनाओं का सीधा अपमान है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मूर्तियों को बाद में दोबारा स्थापित भी किया जाएगा तो उनकी धार्मिक शुचिता कैसे बनी रहेगी।

वहीं दूसरी ओर, प्रशासन ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। वाराणसी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि मणिकर्णिका घाट पर चल रहे कार्यों का उद्देश्य केवल सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता और स्थान प्रबंधन को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान जो भी कलाकृतियां या मूर्तियां प्रभावित हुई हैं, उन्हें संस्कृति विभाग द्वारा सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और कार्य पूर्ण होने के बाद उन्हें उनके मूल रूप में पुनः स्थापित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी मंदिर को न तो तोड़ा गया है और न ही जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी आलोक वर्मा ने कहा है कि घाट और उसके आसपास रहने वाले अधिकांश लोग विरोध नहीं कर रहे

हैं और विरोध प्रदर्शनों में कुछ बाहरी तत्वों के शामिल होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

दूसरी ओर, इस विवाद ने केवल वाराणसी तक ही सीमित न रहकर मध्य प्रदेश के इंदौर में भी तीखी प्रतिक्रिया पैदा की है, जहां अहिल्याबाई होलकर की विरासत को गहरी श्रद्धा से देखा जाता है। इंदौर में नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने दावा किया कि मणिकर्णिका घाट पर अहिल्याबाई द्वारा निर्मित या पुनर्स्थापित प्राचीन मंदिरों और प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचा है। होलकर वंश के वंशज यशवंतराव होलकर भी वाराणसी पहुंचे और पूरे मामले की जांच तथा पूर्ण पुनर्स्थापना की मांग की।

वहीं, राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा गरमा गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सौंदर्यीकरण और व्यावसायीकरण के नाम पर सदियों पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को मिटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मणिकर्णिका घाट का उल्लेख गुप्त काल से मिलता है और बाद में अहिल्याबाई होलकर ने इसका पुनरुद्धार कराया था, ऐसे में इसे तोड़ना काशी की आत्मा पर आघात है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहले गलियारे के नाम पर छोटे-बड़े मंदिर और देवालय तोड़े गए और अब प्राचीन घाटों की बारी है। उन्होंने कहा कि दुनिया का प्राचीनतम शहर काशी अध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा और इतिहास का ऐसा संगम है जो पुरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करता है। खरगे ने कहा, "क्या इस सब के पीछे फिर से व्यावसायिक मित्रों को फायदा पहुंचाने की मंशा है? जल, जंगल, पहाड़- सब आपने उनके हवाले किए हैं, अब सांस्कृतिक विरासत की बारी आ गई है।"

तमिलनाडु की सियासत में हलचल, पलानीस्वामी की भविष्यवाणी- डीएमके से अलग होगी कांग्रेस

चेन्नई **(एजेंसी)**। एआईएडीएमके के महासचिव और विपक्ष के नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में कांग्रेस पार्टी की स्थिरता पर सवाल उठाए और कांग्रेस के गठबंधन से बाहर निकलने की बढ़ती अटकलों का हवाला दिया। बुधवार को सलेम जिले के मेचेरी यूनियन के एम. कालीपत्ती गांव में एआईएडीएमके पार्टी द्वारा आयोजित पोंगल उत्सव में बोलते हुए, पलानीस्वामी ने कहा कि हाल के राजनीतिक घटनाक्रम सत्ताधारी गठबंधन के भीतर अनिश्चितता की ओर इशारा करते हैं।

इससे पहले, पलानीस्वामी बैलगाड़ी से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनता ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन पर फूल बरसाए। उन्होंने पोंगल के बर्तन में कच्चे चावल डालकर पोंगल उत्सव का उद्घाटन किया, जो 108 बर्तनों में पोंगल बनाने की पारंपरिक विधि का प्रतीक है। बाद में उन्होंने वल्ली कुम्मी, उरुमी नृत्य, नुक्कड़ रंगमंच और अश्व नृत्य सहित लोक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित जल्लीकट्टू बैलों को पुरस्कार वितरित किए।

एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने कहा कि पोंगल को दुनिया भर में तमिल लोग इस विश्वास के साथ मनाते हैं कि 'थाईलैंड नई शुरुआत लेकर आता है'। परंपरागत रूप से पोंगल एक ग्रामीण त्योहार था, लेकिन अब इसे शहरी क्षेत्रों में भी उतने ही उत्साह से मनाया जाता है। लगभग 65 प्रतिशत आबादी अभी भी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। पलानीस्वामी ने कहा कि पार्टी के संस्थापक एमजीआर और जयललिता के निधन के बाद, एआईएडीएमके ने कई कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने दावा किया कि लोग डीएमके सरकार के सत्ता से हटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और जोर देकर कहा कि एआईएडीएमके एक मजबूत और विजयी गठबंधन का हिस्सा है जो आगामी विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल करेगा और सरकार बनाएगा।

काशी तमिल संगमम पर पीएम मोदी का बड़ा बयान
बोले- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना हुई मजबूत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पोंगल के अवसर पर काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम जैसी पहलों के विकास पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने यह भी कहा कि इन पहलों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया है। उन्होंने यह भी बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान सोमनाथ की अपनी हालिया यात्रा में इन पहलों को जनता ने खूब सराहा। अपने आधिकारिक पोस्ट में उन्होंने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान सोमनाथ की अपनी हालिया यात्रा में, मैं उन लोगों से मिला जिन्होंने काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम जैसे प्रयासों की सराहना की। आज, पोंगल के विशेष अवसर पर, मैंने काशी तमिल संगमम के विकास और इससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत करने के बारे में अपने विचार साझा किए।

अपने आधिकारिक ब्लॉग के माध्यम से उन्होंने कहा, 'काशी का तमिल लोगों और संस्कृति से गहरा संबंध है। बाबा विश्वनाथ काशी में निवास करते हैं, जबकि रामेश्वरम तमिलनाडु में स्थित है। तमिलनाडु के तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी के नाम से जाना जाता है। संत कुमारगुरुपरार स्वामीगल ने अपनी आध्यात्मिकता, विद्वत्ता और संस्था निर्माण के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक अटूट संबंध स्थापित किया।'

महाकवि सुब्रमण्यम भारती का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के महानतम सपूतों में से एक महाकवि सुब्रमण्यम भारती को काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागृति का स्थान मिला। यहीं पर उनका राष्ट्रवाद गहरा हुआ, उनकी कविताएं निखरीं और एक स्वतंत्र, एकजुट भारत का उनका दृष्टिकोण स्पष्ट हुआ। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो इस घनिष्ठ संबंध को उजागर करते हैं।

काशी-तमिल संगमम का पहला संस्करण 2022 में आयोजित हुआ था। प्रधानमंत्री ने अपने ब्लॉग में उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के विद्वान, कारीगर, छात्र, किसान, लेखक, पेशेवर और कई अन्य लोग काशी, प्रयागराज और अयोध्या गए थे।

उन्होंने बताया कि बाद के संस्करणों ने इस प्रयास के दायरे और गहराई को बढ़ाया। उनके अनुसार, इसका उद्देश्य निरंतर नए विषयों, नवीन प्रारूपों और गहन सहभागिता को शामिल करना था, ताकि संगमम अपने मूल सिद्धांतों से जुड़ा रहते हुए लगातार विकसित होता रहे। 2023 के दूसरे संस्करण में, प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किया गया ताकि भाषा लोगों के लिए बाधा न बने। तीसरे संस्करण में भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही, अकादमिक चर्चाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और अंतःक्रियाओं में अधिक भागीदारी देखी गई। इन आयोजनों में हजारों लोगों ने भाग लिया है।

भारतीय सेना दिवस परेड में स्वदेशी हथियारों और आधुनिक तकनीक का दमदार प्रदर्शन
भविष्य के लिए तैयार बल की झलक भी दिखी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 78वें सेना दिवस पर राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित परेड में भारतीय सेना ने अपने शौर्य, जुनून, साहस और अजेय ताकत का प्रदर्शन किया। जयपुर शहर में पहली बार सार्वजनिक रूप से आयोजित इस परेड को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। सेना की सप्त शक्ति कमान की ओर से 78वीं सेना दिवस परेड का आयोजन जगतपुरा के महल रोड पर हुआ। परेड में जयपुर सैन्य शौर्य, पराक्रम और अनुशासन का मंच बना। इस परेड में भारतीय सेना की आधुनिक सैन्य शक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। इस बार सेना दिवस की थीम 'भारतीय सेना शौर्य और बलिदान' रखी गई है। खास बात यह है कि इस दौरान स्वदेशी हथियारों का कौशल दिखाया गया।

परेड से पहले मिलिट्री स्टेशन पर बने प्रेरणा स्थल पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ) अनिल चौहान, थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, एयर कोमोडर पुरुषोत्तम वर्मा, वाइस एडमिरल तरुण सोबती ने पुष्पगुच्छ अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जवानों को 'वीरता पुरस्कार' से सम्मानित किया। उन्होंने सूबेदार मेजर पवन कुमार,

हवलदार सुनील कुमार, लांस नायक दिनेश कुमार, लांस नायक सुभाष कुमार और लांस नायक प्रदीप कुमार को (मरणोपरांत) सेना पदक वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया। जब सेनाध्यक्ष शहीदों के परिजनों को सेना पदक से सम्मानित कर रहे थे तो परिजन की आंखों से आंसू छलक उठे।

पुरस्कार समारोह के बाद परेड कमांडर, परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र और कीर्ति चक्र और पुरस्कार विजेताओं ने सलामी दी। तीन चेतक हेलीकॉप्टरों ने परेड पर पुष्प वर्षा की। नेपाली बैंड के साथ परेड की शुरुआत हुई। इसके बाद 61 केवलरी रेजीमेंट के जवान, टोही दस्ता, ब्रह्मोस मिसाइल, अर्जुन टैंक, शिल्का एवं ध्रुव तोप और अत्याधुनिक ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। पहाड़ी रेगिस्तान और मैदानी इलाकों में तेजी से काम करने वाले बख्तरबंद वाहन व बीएमपी, के-9 वङ्का तोप, 155 एमएमए अमोघ, स्वदेशी त्रिशूल शक्तिबाण, संयुक्ता जैमर, पिनाका लॉन्चर की ताकत दिखाई गई। परेड के माध्यम से टैंक, अत्याधुनिक तोपें, मिसाइल सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम, रॉकेट लॉन्चर, ड्रोन और रोबोटिक सिस्टम का प्रदर्शन कर भारतीय सेना की ताकत का संदेश दिया गया। परेड में भारतीय सेना के श्वान दस्ते भी शामिल हुए।

पैरा ट्रूपर जब परेड के ऊपर से गुजरे तो दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। भारतीय सेना की नवगठित भैरव बटालियन के जवानों ने परेड में जोश भर दिया। परेड में लद्दाख, डोगरा, हिमाचल, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम स्काउट्स के दस्ते ने भाग लिया। मराठा लाइट इन्फेन्ट्री, मद्रास रेजीमेंट, राजपूत रेजीमेंट, डोगरा रेजीमेंट, आर्टिलरी रेजीमेंट, नेशनल कैडेट्स कोर के कैडेट्स ने बैंड वादन प्रस्तुत किया।

राज्यमंत्री ने दुर्गा देवी इण्टर कॉलेज-ओसा के विद्यालय भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उ.प्र. दिनेश प्रताप सिंह गुरुवार को राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी, बी. एल. संतोष के साथ मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सामाजिक समरसता भोज एवं दुर्गा देवी इण्टर कॉलेज-ओसा के नवनिर्मित एवं पुनर्निर्मित विद्यालय भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

जिला जेल में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर

बन्दी को केवल एक जमानतदार और उसकी आर्थिक क्षमता के अनुसार जमानत राशि पर भी किया जा सकता है रिहा-अमित मिश्र

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय कौशाम्बी के तत्वावधान में जिला जेल टेवां, कौशाम्बी में शोषण के विरुद्ध अधिकार, नशा मुक्त भारत अभियान विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अमित कुमार मिश्र ने कहा कि बंदियों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानूनी प्रावधान हैं और माननीय उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के द्वारा भी समय समय पर दिशा निर्देश दिये जाते हैं पर जानकारी के आभाव में बहुत से लोग उनका लाभ नहीं प्राप्त कर पाते हैं। इन कानूनों की सार्थकता तभी होगी जब इन कानूनों के बारे में जागरूकता होगी। जब आप अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे तो कोई भी आपका शोषण नहीं कर सकेगा।

शोषण के विरुद्ध अधिकार किसी भी व्यक्ति को गुलामी और अमानवीय परिस्थितियों से बचाते हैं। शोषण के विरुद्ध अधिकार से जुड़े प्रावधान भारतीय संविधान सहित कई कानूनों में दिए गए हैं। आप किसी भी समस्या के लिए जेल में कार्यरत पैरा लीगल वालंटियर से संपर्क कर अपनी बात हम तक पहुंचा सकते हैं।

बच्ची देवी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित विधि सिद्धांत और जमानत के संबंध में दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में बंदियों को जागरूक करते हुए व निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी बन्दी को केवल एक जमानतदार (और दो नहीं) और उसकी आर्थिक क्षमता के अनुसार जमानत राशि पर भी रिहा किया जा सकता है।

यदि बंदी 7 दिनों में जमानतदार नहीं दे पाता तो जेल अधीक्षक को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को इस बात की जानकारी देनी होगी ताकि कैदी को जमानत दिलाने में मदद मिल सके। बंदियों को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक, उप जेल अधीक्षक और चीफ लीगल एड डिफेंस सहायक तिलक नारायण पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में बन्दी उपस्थित रहे।

प्रधान के खिलाफ मुकदमे पर बिफरे ग्रामीण, घेरी चौकी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। तरसौरा ग्राम प्रधान की शहजादपुर टेढ़ीमोड़ पुलिस चौकी के भीतर पिटाई और उन्हीं के खिलाफ मुकदमा कायम किए जाने से खफा ग्रामीणों का गुस्सा गुरुवार को फूट पड़ा। नाराज गांव वालों ने चौकी का घेराव किया। इस दौरान उनकी पुलिस कर्मचारियों से तीखी नोंकझोंक हुई। तकरीबन डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद डीएसपी सिराथू के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। कोखराज थाना क्षेत्र के तरसौरा गांव की सावित्री देवी ने बताया कि उनके पति बलराम सिंह ग्राम प्रधान हैं। पीड़िता की मानें तो इन दिनों गांव में नाली का निर्माण कराया जा रहा है। प्रधान होने के नाते बुधवार दोपहर पति निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखने बाइक से जा रहे थे।

इस दौरान विपक्षी पंकज व अवधेश मिश्रा ने पिकअप से उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। इसका विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए प्रधान की पिटाई की गई थी। घटना की तहरीर लेकर प्रधान शहजादपुर टेढ़ीमोड़ पुलिस चौकी पहुंचे तो आरोप है कि वहां भी आरोपियों ने उनको पीटा था। इसका वीडियो भी प्रसारित हुआ था। प्रधान की पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी। पुलिस ने इस तहरीर पर एफआईआर लिखने के बजाए हेड कांस्टेबल रईश अहमद की तहरीर पर दोनों पक्षों के 11 नामजद व छह अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम किया था। मुकदमे में ग्राम प्रधान को भी आरोपी बनाया गया। इसी से खफा ग्रामीणों ने प्रधान के साथ गुरुवार को पुलिस चौकी का घेराव कर दिया। बाद में डीएसपी सिराथू भैया संतोष कुमार ने फोन पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों के कुशल नेतृत्व में जनपद कौशांबी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा, नवीन आपराधिक कानूनों एवं हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ज्ञात हो कि थाना पश्चिम शरीरा अंतर्गत पभोषा मेला क्षेत्र में मिशन शक्ति टीम, शक्ति टीम व एंटीरोमियो स्क्वाड द्वारा भ्रमणशील होकर महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों को गुड टच-बैड टच, आत्म-सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, निःशुल्क विधिक सहायता (जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई।

महिला थाना द्वारा पभोषा मेला एवं कस्बा मंझनपुर क्षेत्र में एंटीरोमियो स्क्वाड द्वारा शोहदों की चेकिंग कर हिदायत दी गई तथा महिलाओं/बालिकाओं को नए आपराधिक कानून (बीएनएस, बीएनएसएस), ज़ीरो एफआईआर, ई-एफआईआर सहित महिला सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी गई।

महेवाघाट थाना के ग्राम सन्यासीपुर में भ्रमणशील होकर महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण, साइबर अपराध से बचाव, नए आपराधिक कानूनों, गुड टच-बैड टच एवं हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में जागरूक किया गया।

संदीपन घाट थाना के ग्राम कोइलहा में मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को नारी सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा एवं शासन द्वारा संचालित महिला सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई।

सराय अकिल थाना परिसर में उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को मिशन शक्ति केंद्र, महिला अपराधों से संबंधित कानून, साइबर अपराध, नए कानूनों के प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया, समस्याएँ सुनी गईं एवं काउंसलिंग की गई।

मंझनपुर थाना प्रांगण में महिला मिशन शक्ति, एंटीरोमियो स्क्वाड एवं साइबर जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं को मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी दी गई।

थाना मोहब्बतपुर पइंसा के ग्राम जवई पड़री में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

कड़ाधाम थाना के कुबरी घाट एवं शीतलाधाम मंदिर क्षेत्र में महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण एवं हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

कौशाम्बी थाना के ग्राम आवाकुवा में महिला मिशन शक्ति व साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बालिकाओं को साइबर अपराध, उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा लागू नए आपराधिक कानूनों एवं महिला सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही महिला सहायता केंद्र, महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम के कार्य एवं संबंधित थानों के ण्ळउ नंबर के बारे में भी जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

महिला की मौत मामले में डॉक्टर और प्रबंधक पर मुकदमा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सरायअकिल थाना क्षेत्र के कनैली गांव स्थित हैप्पी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई महिला की मौत मामले में पुलिस ने मुकदमा कायम कर लिया है। एसपी के आदेश पर डॉक्टर व हॉस्पिटल प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर लिखी गई है। आरोप है कि चिकित्सक के गलत इंजेक्शन लगाने से महिला की मौत हुई थी। कार्रवाई के बाद से अस्पताल प्रबंधन में खलबली है। कौशाम्बी थाना क्षेत्र के गुरौली निवासी चौबे ने बताया कि चार नवंबर 2025 को उसकी बहू कमलावती पत्नी पत्नी स्व. रंजीत को तेज बुखार आया। इलाज के लिए उसको कनैली स्थित हैप्पी हेल्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीड़ित के मुताबिक अस्पताल में मौजूद चिकित्सक शिवम ने बहू को भर्ती कर लिया व इलाज के नाम पर 25 हजार रुपये जमा कराए। इस पैसे की रसीद भी नहीं दी। रात को डाक्टर ने दो इंजेक्शन लगाया। इसके कुछ देर बाद ही पीड़ित की बहू की मौत हो गई। घटना का विरोध करने पर अस्पताल के चिकित्सक व प्रबंधक ने तीमारदारों को जबरन बाहर निकाल दिया। पीड़ित का कहना है कि वह गरीब है। बहू की मौत के बाद उसके तीन नाबालिग बच्चे अनाथ हो गए हैं। 13 जनवरी को पीड़ित ने एसपी राजेश कुमार से मुलाकात कर आरोपी चिकित्सक और अस्पताल प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की थी। एसपी के आदेश पर ही कार्रवाई हुई है।

शातिरों ने व्हाट्सएप और जी-मेल अकाउंट किया हैक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के पलरा निवासी विकास कुमार साहू बैरमपुर बाजार में सहज जन सेवा केंद्र का संचालन करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक निजी ऑनलाइन कंपनी का बैंकिंग पोर्टल भी ले रखा है। वह करीब 20 से 25 लोगों के खाते खुलवाने के साथ प्रतिदिन लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये का लेनदेन करते हैं। विकास ने बताया कि बीते कई दिनों से उनके मोबाइल पर विभिन्न ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के ओटीपी आ रहे थे, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अचानक उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया। इसकी जानकारी उन्होंने तुरंत बैरमपुर पुलिस चौकी को दी।

इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे एसपी कार्यालय स्थित साइबर सेल में शिकायत की। इसके बावजूद शाम करीब चार बजे शातिरों ने उनकी जीमेल आईडी भी हैक कर ली। इस पर उन्होंने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल उनके खाते से किसी भी तरह की धनराशि निकलने की उनको जानकारी नहीं है।

पति की मौत के बाद शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, गर्भपात कराया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। महेवाघाट इलाके की एक महिला के पति की आठ साल पहले मौत हो गई। उसके बाद से ही पड़ोस का युवक उससे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस दौरान वह गर्भवती हुई तो युवक ने गर्भपात करा दिया। पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो वह जान से मारने की धमकी देने लगा। परेशान पीड़िता ने महेवा घाट थाने में आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। महेवाघाट क्षेत्र की पीड़िता ने बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। पति का निधन होने के बाद पड़ोसी युवक ने उसको प्रेम जाल में फंसा लिया।

इसके बाद शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने लगा। पीड़ित महिला के मुताबिक आरोपी आए दिन घिनौनी हरकत करने के लिए उसके घर आया करता था। इस दौरान महिला गर्भवती हो गई। इसकी जानकारी होने पर आरोपी ने इलाके के ही एक अस्पताल में ले जाकर गर्भपात करा दिया। पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाना शुरू किया तो आरोपी वादे से मुकर गया। कहीं भी इस बाबत शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी दी। परेशान होकर महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की। इस संबंध में महेवाघाट थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह का कहना है कि मुकदमा कायम कराकर आरोपी की तलाश कराई जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। जिस अस्पताल में गर्भपात कराया गया, उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक युवती संग दुष्कर्म!

कौशाम्बी। फतेहपुर के एक युवक ने कौशाम्बी की युवती के साथ शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक दुष्कर्म किया। विवाह के लिए दबाव बनाने पर आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो व फोटो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सरायअकिल इलाके की युवती का कहना है कि वह मौजूदा समय मंझनपुर में महिला थाना के पास रहती है। पीड़िता के मुताबिक करीब डेढ़ साल पहले उसकी मुलाकात फतेहपुर के ललौली थाना क्षेत्र में रहने वाले ओंकार से हुई। आरोप है कि ओंकार ने शादी का झांसा देकर दुराचार करना शुरू कर दिया। कुछ दिनों बाद पीड़ित युवती ने विवाह करने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी वादे से मुकर गया। साथ ही उसका अश्लील फोटो-वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। इसका विरोध करने पर 20 दिसंबर 2025 को मंझनपुर चौराहे पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जानलेवा धमकी दी। इस दौरान आरोपी के साथ अनुराधा उर्फ अनुपा नाम की एक युवती भी थी। मामले में मंझनपुर इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह का कहना है कि मुकदमा कायम कराकर जांच कराई जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उस हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामूली बात पर दो पक्षों में विवाद

सैकड़ो ग्रामीणों ने पुलिस चौकी का किया घेराव, दोनो पक्षों पर मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में बाइक टच हो जाने पर ग्राम प्रधान पक्ष और दूसरे पक्ष के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ा तो पुलिस ने ग्राम प्रधान को पुलिस चौकी पर बैठा लिया। वहीं ग्रामीणों ने आरोपियों के घर पर चढ़ाई कर दी। विवाद बढ़ा तो पुलिस ने दिनों पक्षों के दर्जनभर लोगों पर कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और जांच में जुट गई है।

ज्ञात हो कि मामला कोखराज थाना क्षेत्र के शहजादपुर टेढ़ीमोड पुलिस चौकी अंतर्गत तरसौरा गांव का है। जहां के ग्राम प्रधान बलराम सिंह पटेल की बाइक में एक बोलेरो गाड़ी से टच हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के लोगो में बहस शुरू हो गई, उस दौरान दोनों पक्ष के लोग एकत्रित हो गए और आपस में पंचायत होने के बाद आपसी समझौता हो गया था।

इस दौरान किसी ने अफवाह फैला दी कि ग्राम प्रधान के लोगो ने आरोपी के घर पर चढ़ाई कर दी, सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों पक्ष के लोगों को पुलिस चौकी लाई और पूछताछ किया, इसी दौरान दूसरे पक्ष के गुड्डू मिश्रा के साथ दर्जनों लोग पुलिस चौकी पहुंचे और ग्राम प्रधान को चौकी के अंदर ही पीट दिया, जिसके बाद प्रधान समर्थकों में आक्रोश हो गया और मामला बढ़ गया। वही कई ग्रामीणों का आरोप है कि विवाद और मारपीट का वीडियो बनाने पर उनका मोबाइल भी तोड़ दिया गया।

पुलिस चौकी प्रभारी ने ग्राम प्रधान बलराम सिंह पटेल के और दूसरे पक्ष के गुड्डू मिश्रा सहित दोनों तरफ के दर्जनभर लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है व्याप्त है और मुकदमा लिखे जाने को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस चौकी का घेराव कर दिया, पुलिस मामला सुलझाने में जुटी हुई है।

गाय ले जाने के वरिोध पर गोशाला कर्मियों को पीटा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव की गोशाला से गाय ले जाने का विरोध करने पर गोपालकों की पिटाई की गई। इससे महिलाओं समेत पांच कर्मियों को चोटें आई हैं। मामले में दो नामजद सहित छह आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी आदि का मुकदमा कायम किया गया है। करारी के बंधवा कल्यान मजरा इब्राहिमपुर निवासी चंदालाल ने बताया कि बुधवार को ग्राम प्रधान के कहने पर वह देखरेख करने इब्राहिमपुर की गोशाला गया था। वहां पहुंचने पर देखा कि मीरापुर निवासी अनिल यादव पुत्र अर्जुन यादव व गोली यादव पुत्र रामराज अपने छह अन्य साथियों के साथ जबर्दस्ती एक गाय खोलकर ले जा रहे थे।

मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पिटाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे गोपालक दिनेश कुमार, निर्मला देवी, सुग्गन और रतनी देवी को भी पीटा। गोशाला का सामान तोड़ डाला। पिटाई से सभी को चोटें आईं। चीख-पुकार पर जुटे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह कर्मियों की जान बचाई। इसके बाद पीड़ित ने थाने जाकर पुलिस को तहरीर दिया। इस संबंध में करारी इंस्पेक्टर सियाकांत चौरसिया का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा कायम किया गया है। मुकदमे की विवेचना डीएसपी मंझनपुर कर रहे हैं।

घातक मंझे की चपेट में आने से बाइक सवार जख्मी

कौशाम्बी। स्थानीय रेलवे ऊपरगामी पुल पर गुरुवार शाम घातक मांझे ने एक बाइक सवार को जख्मी कर दिया। पास के निजी अस्पताल में उसका इलाज कराया गया है। सैनी थाना क्षेत्र के कानेमई गांव का बबलू गुरुवार को बाइक से सिराथू रोड गया था। शाम को वह वापस अपने घर जा रहा था। जैसे ही उसकी बाइक सिराथू रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंची, अचानक एक पतंग का तेजधार मांझा उसके होंठ में फंस गया। मांझा इतनी तेजी से रगड़ा कि युवक का होंठ जख्मी हो गया। होठ में फंसे मांझे को हटाने के प्रयास में उसका हाथ भी कट गया और वो बाइक समेत गिर गया। गंभीर रूप से घायल युवक किसी तरह सिराथू स्थित निजी अस्पताल पहुंचा, जहां उसका उपचार कराया गया। गनीमत रही जानलेवा धारदार मांझा युवक की गर्दन तक नहीं पहुंचा वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ज्ञात हो कि यह सिराथू रेलवे ओवर ब्रिज के ऊपर तीसरी घटना है। लोगों ने मंझे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

बिजली विभाग के नियम बने जी का जंजाल

कहीं लोड़ वृद्धि तो कहीं बिल में एकाएक वृद्धि से परेशानी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। बिजली विभाग के नियम-कानून उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बन गये हैं। आये दिन बिजली बिल काफी अधिक आ जाने से उपभोक्ता बिजली कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

अधिषाशी अभियंता से बात करने पर उन्होंने बताया कि जहां पर स्मार्ट मीटर लग गये हैं। वहां पर शिकायतों में कमी आई है। जब उनसे पूछा गया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद भी काफी बिल आ रहा है तो उन्होंने बताया कि पिछला बिल जो मीटर परिवर्तन के कारण बकाया रह गया था, वह अब जुड़कर आ रहा है।

वहीं उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले बिल संशोधन कराने में काफी समय लगता था और बिल में पिछला बिल जोड़कर देना चाहिए,

लेकिन कई महीने बाद अचानक लम्बा चौड़ा बिल आ जाना से एक मुश्त पैसा जमा करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हालाकिं सरकार इसके लिए ब्याज माफी योजना भी चला रही है।

साथ ही लोड वृद्धि को लेकर भी उपभोक्ता सजग नहीं दिख रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली ऑफिस अन्य अधिकारियों के अलावा नये नियम की जानकारी चस्पा करें तथा पम्पलेट, समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी दी जाये। बुद्धिजीवियों का कहना है कि नियम-कानून पारदर्शी होना चाहिए, जिससे उपभोक्ता बिजली बिल व अपने बिजली खाते को लेकर जागरूक रहें।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 9720252026 **दिनांक: 12.01.2026**

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **05.02.2026** को **13.30** बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.1. निविदा नं.: 233 **कार्यों का विवरण:** सहायक मण्डल इंजीनियर/उत्तर मध्य रेलवे/चुनार के अधीन चुनार-चोपन सेक्शन में ह्यूम पाइप/स्लैब पुलों को आर सी सी बाक्स से प्रतिस्थापित करने का कार्य।

अनुमानित मूल्य: ₹ 8,49,99,876.45	**बयाने की रकम:** ₹ 5,75,000.00
कार्य समापन की अवधि: 18 माह	**निविदा खुलने की तिथि:** 05.02.2026

सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: कंस्ट्रक्शन ऑफ एनी टाइप ऑफ ब्रिज।

क्र.सं.2. निविदा नं.: 234 **कार्यों का विवरण:** वरिष्ठ मण्डल इन्जीनियर/प्रथम/प्रयागराज के सेक्शन में 52 केजी, 60 केजी, और आर-260 वेल्डिंग पोर्शन एवं वेल्डिंग उपकरणों के आपूर्ति का कार्य।

अनुमानित मूल्य: ₹ 3,36,30,748.74	**बयाने की रकम:** ₹ 3,18,200.00
कार्य समापन की अवधि: 24 माह	**निविदा खुलने की तिथि:** 05.02.2026

सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सप्लाई आफ 52 केजी/60 केजी एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग पोर्शन फ्रॉम आर डी एस ओ अप्रूव्ड फर्म ऑनली।

नोट: 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को **13.30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **13.30** बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है।

88/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री महराज की भागवद कथा 19 से

प्रयागराज। पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री स्वामी महराज श्रृंगवेरपुर धाम की श्रीमदभागवद कथा 19 जनवरी से माघ मेला के सेक्टर-6 के ओल्ड जीटी मार्ग पर लगे शिविर में दोपहर एक बजे से शुरू होगी जो शाम पांच बजे तक चलेगी। मुख्य यजमान पं लक्ष्मीकांत पाण्डेय गढवा अखैराजपुर, प्रयागराज है। कथा के पूर्व शिविर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी जो बैण्डबाजे के साथ गंगा घाट तक जाएगी और गंगा पूजन करेगी। कथा का विश्राम 25 जनवरी और भण्डारा 26 जनवरी को दोपहर से होगा। पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री स्वामी महराज ने बताया कि कथा में पहले दिन भागवद महात्म्य से हिरण्याक्ष वध तक की कथा होगी।

मकर संक्रांति पर संगम में आस्था की महाडुबकी लगभग 1.03 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया पवित्र स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के द्वितीय स्थान पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। धर्म, आस्था और परंपरा के इस महापर्व पर लगभग 1 करोड़ 3 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कल एकादशी के अवसर पर लगभग 85 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई थी।

शास्त्रों में मकर संक्रांति स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान करने से समस्त पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। माघ मेला के दौरान मकर संक्रांति का स्नान विशेष फलदायी माना जाता है, इसी आस्था के कारण देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज आते हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेला क्षेत्र में व्यापक प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था की गई थी। सभी वरिष्ठ अधिकारी भ्रमणशील रहते हुए पूरे मेला क्षेत्र की सतत निगरानी करते रहे। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक श्री ज्योति नारायण, पुलिस महानिरीक्षक श्री अजय मिश्र, मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर प्रयागराज श्री जोगिंदर कुमार, अपर पुलिस आयुक्त श्री अजयपाल शर्मा, जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी श्री ऋषिराज तथा मेला पुलिस अधीक्षक श्री नीरज पांडेय द्वारा समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे स्नान पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सका।

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए उपलब्ध कराई गई रैपिडो बाइक सेवा का भी व्यापक उपयोग हुआ। आज लगभग 11, 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने इस सेवा का लाभ लिया, जबकि अब तक कुल 1, 38, 500 से अधिक लोगों को रैपिडो बाइक सेवा के माध्यम से सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा चुका है।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रशासन की ओर से सामाजिक समरसता और सेवा भाव का भी परिचय दिया गया। सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं को पारंपरिक खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली।

भगवान के प्रति समर्पण ही उद्घार का है सरल उपाय : स्वामी ब्रह्मश्रम

चरखी दादरी आश्रम में भागवद कथा शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज के शिविर माघ मेला के सेक्टर - 6 ओल्ड जीटी रोड दक्षिणी पटरी पर भागवद कथा आज से शुरू हो गयी है। कथा में पहले दिन पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने भागवद कथा का महात्म्य, माघ मास में त्रिवेणी तट पर माघ मास में कल्पवास करते हुए कथा सुनने से मिलने वाले अक्षय पुण्य पर विस्तार से चर्चा, महाभारत तक की कथा के प्रसंग का व्याख्यान किया। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति समर्पण ही जीव के उद्घार का सबसे सरल उपाय है। कथा के मुख्य यजमान प्रयागराज के पूर्व टीटीई बैजनाथ मिश्र और उनकी धर्म पत्नी सुनीता मिश्रा है। कथा का पूर्ण विश्राम 21 जनवरी को होगा। कथा के पूर्व विशाल कलश यात्रा निकाली गयी जो शिविर से गंगा तट गयी जहां पर भागवद भगवान का पूजन हुआ। 22 जनवरी से कानपुर के आचार्य सोमदत्त की श्रीमद भागवद कथा दोपहर एक बजे से शुरू होगी। शिविर में माघी पूर्णिमा तक जलपान, चाय और भण्डारा चलता रहेगा।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक।

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

किन्नर संत ने किया विशाल भण्डारे का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाडा का माघ मेला के सेक्टर - 6 ओल्ड जीटी रोड - संगम लोवर चौराहे पर शिविर लगा हुआ है। किन्नर अखाडा की नासिक की महामण्डलेश्वर स्वामी पूजा माई नंद गिरि रेणुका माता यलमा आश्रम वाढोली आईसाहेब त्र्यंबकेश्वर नासिक की ओर से मकर संक्रांति पर आज शिविर में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भण्डारे का प्रसाद लिया। इस दौरान किन्नर अखाडा के संरक्षक महंत दुर्गादास सहित अन्य किन्नर संत प्रसाद वितरण में लगे हुए थे।

दबंग युवक ने वृद्ध की पिटाई कर किया घायल, पीड़ित लगा रहा है थाने के चक्कर

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के कटियाही गांव में चार दिन पूर्व एक दबंग युवक द्वारा 60 वर्षीय वृद्ध की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया है।

कटियाही गांव निवासी रामजी भारतीय (60) पुत्र रामशरण भारतीय ने बताया कि गांव के ही एक दबंग व्यक्ति रास्ते में सोच क्रिया कर रहा था बूढ़े व्यक्ति ने विरोध जताया तो विवाद करते हुए लाठी-डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी। आसपास के लोगों के हस्तक्षेप से किसी तरह उनकी जान बच सकी। घटना के बाद परिजन उन्हें लेकर थरवई थाना पहुंचे, जहां पुलिस ने प्राथमिक कार्रवाई करते हुए इलाज के लिए बहरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। पीड़ित का आरोप है कि इलाज के बाद जब वह दोबारा थाने पहुंचा तो पुलिस आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने में आनाकानी कर रही है। घायल वृद्ध पिछले कई दिनों से न्याय की गुहार लगाते हुए थाने का चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक उसे कोई राहत नहीं मिल सकी है। इस संबंध में थरवई पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

महाकुंभ 2025 की सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान पर डीआईजी धीरज कुमार सम्मानित

थरवई। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ 2025 प्रयागराज की सुरक्षा व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य और विशिष्ट योगदान के लिए सीआरपीएफग्रुप केंद्र के डीआईजी धीरज कुमार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडल और सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया बताते चले की महाकुंभ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में डीआईजी धीरज कुमार की भूमिका सराहनीय रही। उनके कुशल नेतृत्व, अनुशासन और प्रभावी रणनीति के चलते सुरक्षा व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रहा । इनके सम्मानित होने पर सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों में हर्ष व्याप्त है।

उप्र में शिवसेना के नए सियासी दौर की शुरुआत : निषाद पार्टी के संकल्प दिवस में शामिल हुए शिवसेना एनडीए चुनाव गठबंधन के मुख्य समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा

डॉ. अभिषेक वर्मा के नेतृत्व से संगठन को मिली नई ऊर्जा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राजनीति में शिवसेना अब केवल औपचारिक उपस्थिति तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठनात्मक मजबूती और स्पष्ट रणनीति के साथ नए सियासी दौर की शुरुआत कर चुकी है। निषाद पार्टी के संकल्प दिवस के अवसर पर लखनऊ में उभरे राजनीतिक घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया कि महाराष्ट्र के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी शिवसेना अपने संगठन को ठोस आधार देने में सफल हो रही है।

लखनऊ एयरपोर्ट से ही इस बदलाव की झलक देखने को मिली, जहां शिवसेना उत्तर प्रदेश के राज्य प्रमुख अभय द्विवेदी, प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी सहित संगठन के प्रमुख पदाधिकारी एक साथ उपस्थित रहे। यह दृश्य महज स्वागत तक सीमित नहीं था, बल्कि अनुशासन, एकजुटता और संगठनात्मक परिपक्वता का सार्वजनिक संकेत था। निषाद पार्टी के संकल्प दिवस के मंच पर एनडीए गठबंधन के उत्तर प्रदेश के सभी सहयोगी दलों के नेताओं के बीच आत्मीय समन्वय और रणनीतिक संवाद देखने को मिला। इस अवसर पर राजनीति का शोर नहीं बल्कि स्थिर नेतृत्व और भरोसेमंद साझेदारी की तस्वीर उभरकर सामने आई।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि शिवसेना एनडीए चुनाव गठबंधन के मुख्य समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा थे। उनकी उपस्थिति ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि शिवसेना उत्तर प्रदेश में केवल विस्तार की राजनीति नहीं कर रही बल्कि राष्ट्रीय रणनीति के अनुरूप संगठन को मजबूत दिशा देने की ओर अग्रसर है। डॉ. वर्मा का राजनीतिक और वैचारिक व्यक्तित्व एक सशक्त विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। उनके पिता स्व श्रीकांत वर्मा देश के प्रतिष्ठित कवि और राज्यसभा सांसद रहे, जबकि उनकी माता जी भी कई बार सांसद रह चुकी हैं। ऐसे में उनका उत्तर प्रदेश आगमन शिवसेना के प्रदेशीय

राजनीतिक इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है, जिससे संगठन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है।

इस दौरान डॉ. अभिषेक वर्मा ने 18 दिसंबर से 4 जनवरी तक चली सेवा संकल्प यात्रा के लिए प्रयागराज की यमुना पार मेजा विधानसभा से जुड़ी शिवसेना नेत्री रुचि तिवारी की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। उन्होंने नारी शक्ति को केंद्र में रखकर सेवा और संगठनात्मक कार्यों को और सशक्त करने का आह्वान भी किया।

प्रदेश प्रमुख अभय द्विवेदी का नेतृत्व जहां शिवसेना की प्रशासनिक मजबूती और राजनीतिक संतुलन का प्रतीक बनकर उभरा, वहीं रुचि अभिषेक तिवारी की सक्रिय भूमिका नारी नेतृत्व, संस्कार और संगठनात्मक संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण बनी। यह आयोजन भले ही चुनावी मंच ना रहा हो लेकिन इसका संदेश पूरी तरह स्पष्ट था कि शिवसेना अब उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक रूप से सशक्त, रणनीतिक रूप से सजग और राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कार्यक्रम में महासचिव लल्लन दुबे, उप राज्य प्रमुख स्नेहल करमरकर, बहराइच जिला प्रमुख अर्जुन पंडित, लखनऊ जिला प्रभारी आनंद राय, ललितपुर जिला प्रमुख राकेश नामदेव और जौनपुर जिला प्रमुख नागेश दुबे सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीएसए ने स्नानार्थियों में किया खाने का वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज।मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जिला प्रशासन के सौजन्य से बीएसए अनिल कुमार के नेतृत्व में , राजीव त्रिपाठी जिला समन्वयक मिड डे मील, देवेंद्र श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से आज प्रयाग स्टेशन पर श्रद्धालुओं में भोजन का वितरण कराया गया। इस दौरान बडी संख्या मे स्नानार्थियो मे खाने का वितरण किया। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि स्नानार्थियो को खाना, पानी उपलब्ध कराया गया जिसमे बडी संख्या में स्नानार्थियो को सुविधा पूर्वक गंतव्य के लिए रवाना किए गये।

किन्नर अखाडा में आज बनेंगे 10 श्रीमहंत, महंत, महामण्डलेश्वर, गंगा मैया करें सभी का कल्याण : प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर पहुंचे प्रयागराज, भव्य स्वागत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने मुम्बई से फ्लाइट से चलकर आज प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे। बडी संख्या में शिष्यों और समाजसेवियों ने आचार्य महामण्डलेश्वर का भव्य स्वागत, अभिनंदन किया। किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने सभी को आशीर्वाद देते हुए उनके मंगल की कामना किया।

किन्नर अखाडा में शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से पट्टाभिषेक कार्यक्रम शुरू होगा जिसमें 10 श्रीमहंत, महंत, मण्डलेश्वर और महामण्डलेश्वर का पट्टाभिषेक कार्यक्रम होगा। इस दौरान अखाडे के सभी पदाधिकारी और बडी संख्या में शिष्य शामिल होंगे। किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने कहा कि मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती, तीर्थराज प्रयागराज और भगवान वेणी माधव सभी का कल्याण और मंगल करें।

किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने कहा कि मां गंगा आदि अनादि काल से धरती पर लोगों का कल्याण कर रही है। उन्होंने कहा कि माघ मास में संगम की रेती पर कल्पवास करते हुए भगवद भजन करने, हवन-पूजन करने और दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है, जो लोग माघ मास में गंगा और संगम स्नान करते हुए दान करते है उनको अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

ऐसे में प्रत्येक सनातन धर्मी को माघ मास में आकर कल्पवास करते हुए गंगा स्नान कर दान करना चाहिए। इसके पूर्व किन्नर अखाड़ा के संरक्षक / महंत दुर्गादास महराज, उप्र किन्नर कल्याण बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और महामण्डलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि (किरन बाबा), महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां), महामण्डलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी गिरिनारी नंद गिरि, महा मण्डलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि, श्रीमहंत सरस्वतीनंद गिरि, सोनाली नंद गिरि, भूतनाथ नंद गिरि, पिंकीनंद गिरि, हिना नंद गिरि, इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता रामप्रकाश यादव, सुनील कुमार, अनूप कुमार सहित बडी संख्या में शिष्यों ने आचार्य महामण्डलेश्वर का भव्य स्वागत, अभिनंदन किया।

स्वामी शाडिल्य महराज ने पीएम, सीएम को कराया प्रतीकात्मक स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्रृंगवेरपुर धाम के जगदगुरु शांडिल्य जी महाराज ने आज मकर संक्रांति के अवसर पर माघ मेला के सेक्टर-6 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्य नाथ महराज की होर्डिंग में लगी तस्वीर को संगम और गंगा जल से प्रतीकात्मक स्नान कराया। जगदगुरू स्वामी शाडिल्य महराज ने कहा कि पीएम और सीएम ने देश और प्रदेश में सनातन के गौरव को वापस लाया है भारत विश्व गुरु बने। उन्होंने पीएम और सीएम को मंत्रोच्चार से आशीर्वाद प्रदान किया। जगदगुरू स्वामी शाडिल्य महराज ने पीएम, सीएम की जिस प्रतिमा को गंगा जल से स्नान कराया है वह होर्डिंग लगी प्रतिमा सेक्टर छह पांटून पुल के मेला क्षेत्र की ओर लगी है। इस दौरान बडी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हो गये थे जिन्होने जयश्री के जोरदार नारे लगाये।

इंडिया टॉप मॉडल प्रतियोगिता में प्रयागराज के अभिषेक सागर बने विजेता

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जयपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रयागराज के धूमनगंज के अभिषेक सागर ने इंडिया टॉप मॉडल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया और उसमें मिस्टर कैटिगरी के विजेता बने। यह प्रतियोगिता राजस्थान के जयपुर में शहर में आयोजित की गई जिसमें कई राज्य से प्रतिभागी प्रतिभाग करने के लिए पहुंचे थे।जहां यह प्रतियोगिता आयोजित हुई इस मॉडल प्रतियोगिता में कई विजेताओं की घोषणा हुई जिसमें प्रयागराज के अभिषेक सागर ने इंडिया टॉप मॉडल का खिताब अपने नाम करते हुए देश ही नहीं अपने अपने शहर प्रयागराज का नाम रौशन किया।

आप को बता दे कि प्रयागराज के धूमनगंज क्षेत्र के निवासी अभिषेक सागर ने मॉडलिंग की दुनिया में शहर का नाम रोशन किया है। अभिषेक ने आठ से 11 जनवरी के बीच जयपुर में आयोजित इंडिया टॉप मॉडल के अंतर्गत मिस्टर कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अव्वल रहे। उन्होंने अपने आत्मविश्वास, फिटनेस, पर्सनालिटी व रैंप वॉक से जजों को प्रभावित किया। अभिषेक ने बताया कि यह जीत न केवल उनकी नहीं उनके व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि प्रयागराज जैसे सांस्कृतिक धार्मिक और शैक्षणिक शहर के युवाओं के लिए भी प्रेरणा है। उनकी उपलब्धि पर परिवार, मित्रों व शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई के साथ ढेर सारी शुभकामनाएं दी है ।

सम्पादकीय

मिनटों में सामान, सालों का जोखिम क्लिक से घर तक दस मिनट, लेकिन सड़क पर जान की जिम्मेदारी किसकी?

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अत्यधिक व्यस्तता के बीच आनलाइन सामान पहुंचाने का कारोबार न केवल रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के लिए एक बड़े बाजार की शक्ल ले चुका है। खासकर कोविड महामारी के बाद से इसमें जबरदस्त उछाल आया है और अब मांग पर हर तरह के उत्पाद मिनटों में घर पर पहुंच जाते हैं। मगर तत्काल सामान पहुंचाने की होड़ में इस कार्य से जुड़े कर्मियों पर आनलाइन कंपनियों के दबाव और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं।

सामान पहुंचाने के दौरान सड़क हादसों में मौत हो जाने की देश भर में कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब दस मिनट में सामान पहुंचाने से संबंधित कंपनियों के दावों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। सवाल है कि आखिर सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा? क्या संबंधित कंपनियों की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने कर्मियों की सुरक्षा और बेहतरी की फिक्र करे?

बीते वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2025 को घर पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों ने हड़ताल का आह्वान कर अपनी दिक्कतों की तरफ देश, समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। कुछ अरसे से ऑनलाइन बाजार की यह कह कर हिमायत की जा रही है कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और उपभोक्ताओं को भी अपनी पसंद के सामान की खरीदारी का आसान विकल्प मिल गया है। साथ यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को अपने कार्य की अवधि खुद तय करने की आजादी है।

मगर, क्या वास्तव में उन्हें काम करने की आजादी है? निर्धारित समय के भीतर सामान पहुंचाने और प्रतिदिन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव कई बार उन्हें मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक तकलीफ भी देता है। इस दबाव में सड़क पर तेज रफ्तार में दोपहिया वाहन चलाने से हर समय जान का जोखिम बना रहता है। ऐसे में दस मिनट में सामान पहुंचाने के वादों पर रोक लगाना निहायत जरूरी हो गया था।

नीति आयोग की वर्ष 2022 की एक रपट के अनुसार, वर्ष 2020 में देश भर में आनलाइन मांग पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की संख्या करीब 77 लाख थी और यह आंकड़ा 2030 तक 2.35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे यह बात तो स्पष्ट है कि आनलाइन बाजार के कारोबार से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन साथ ही संबंधित कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में कर्मियों की सुरक्षा और काम के दबाव का संकट भी पैदा हुआ है।

कहा जा रहा है कि सरकार के आदेश के बाद आनलाइन कंपनियों ने अपने मंच से दस मिनट में सामान पहुंचाने का दावा हटा लिया है। मगर इस तरह की कोशिशें फिर से किसी दूसरे रूप में न हों, इसके लिए सरकार की ओर से एक निगरानी तंत्र बनाने की जरूरत है। सरकार को संबंधति आनलाइन मंचों के साथ मिलकर यह कोशिश करनी होगी कि श्रमशक्ति का यह हिस्सा सुरक्षित वातारण में विकास और सामाजिक गतिशीलता की सीढ़ी बने और उनके अधिकारों की भी रक्षा हो सके।

जब नल से जहर बहने लगे, इंदौर ने दिखा दिया भारत के जल संकट का डरावना सच

जल प्रदूषण आज मनुष्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह प्रबंधन में लापरवाही बरतने का भी नतीजा है। जल के संरक्षण और उसकी स्वच्छता को लेकर योजना बनाने तथा उसे क्रियान्वित करने में गंभीरता एवं कुशलता का अभाव रहता है। घर-घर जल पहुंचाने की योजना जरूर अच्छी है। मगर इसी के साथ नदियों की सफाई और जल आपूर्ति करने करने वाली पाइपलाइनों की समय-समय पर जांच की जाती, तो समस्या गंभीर नहीं होती। इंदौर में दूषित पेयजल के सेवन से हुई लोगों की मौत ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया है कि भारत का जल संकट केवल मात्रा का नहीं, बल्कि गुणवत्ता, निगरानी और शासन की गंभीर विफलताओं का परिणाम है। यह घटना किसी एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस अदृश्य संकट का प्रतीक है, जो देश के लगभग हर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्र में अलग-अलग रूपों में मौजूद है। जल, जिसे जीवन का आधार माना जाता है, जब वही जीवन के लिए ही घातक बन जाए, तब यह प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि संस्थागत असफलता का संकेत है।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व जल रपट 2024 के अनुसार, विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी को आज भी सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। भारत, जहां विश्व की अठारह फीसद जनसंख्या निवास करती है और जहां मीठे जल संसाधनों का मात्र चार फीसद हिस्सा उपलब्ध है, वह इस वैश्विक जल संकट के केंद्र में है। मगर इंदौर की घटना स्पष्ट करती है कि चुनौती केवल जल की उपलब्धता तक सीमित नहीं, बल्कि यह सवाल भी उतना ही अहम है कि जो जल उपलब्ध कराया जा रहा है, वह कितना सुरक्षित और उपयोग के योग्य है। घरों तक पहुंचाए जा रहे जल की गुणवत्ता की निरंतर निगरानी का अभाव अब भी बना हुआ है, जिसे दुरुस्त करने की जरूरत है।

नीति आयोग की जल प्रबंधन रपट 2023 में यह चेतावनी है कि भारत के इक्कीस से अधिक बड़े शहर अगले दशक में पानी खत्म होने की भयावह स्थिति का सामना कर सकते हैं। मगर इंदौर का अनुभव बताता है कि संकट भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। जल आपूर्ति अवसंरचना की जर्जर स्थिति, पेयजल और सीवेज लाइनों का आपसी संपर्क तथा जल गुणवत्ता परीक्षण की कमजोर व्यवस्था ने शहरी और ग्रामीण जीवन के स्वास्थ्य को जोखिम में डाल दिया है। 'नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स' के अनुसार भारत के शहरी जल तंत्र में 35 से 40 फीसद जल पाइपलाइन में रिसाव के कारण बर्बाद हो जाता है। यह केवल संसाधनों की हानि नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक खतरा भी है, क्योंकि इन्हीं रिसाव बिंदुओं से दूषित तत्त्व पेयजल में जाते हैं।

इंदौर जैसे शहर, जो स्वच्छता और शहरी प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाते रहे हैं, वहां ऐसी घटना यह दर्शाती है कि दृश्य उपलब्धियों के पीछे एक गहरी तकनीकी और निगरानी संबंधी कमी छिपी हुई है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के विभिन्न बड़े शहरों में समय-समय पर दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों के मामले सामने आते रहते हैं। अंतर केवल इतना है कि हर बार परिणाम इतने गंभीर रूप में दर्ज नहीं हो पाते या सरकारी फाइलों में दब जाते हैं। इस उपेक्षा की कीमत नागरिकों को जान देकर चुकानी पड़ती है।

निराशाजनक बात यह है कि औद्योगिक और शहरी प्रदूषण इस संकट को और गहराता है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण की वर्ष 2023 की एक रपट के अनुसार देश की साठ फीसद से अधिक औद्योगिक इकाइयां अपने अपशिष्ट जल का समुचित उपचार नहीं करतीं। अनुमान है कि भारत का लगभग सत्तर फीसद औद्योगिक अपशिष्ट जल बिना उपचार के नदियों और जल स्रोतों में प्रवाहित होता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े बताते हैं कि गंगा और यमुना जैसी नदियों में जैव-रासायनिक आक्सीजन मांग (बीओडी) स्तर मानकों से कहीं अधिक है। यही जल जब शोधन की अपर्याप्त प्रक्रिया से गुजर कर नागरिकों तक पहुंचता है, तो स्वास्थ्य संकट अवश्यंभावी हो जाता है।

स्वाभाविक है कि अब इसके उपाय सोचने होंगे। जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे में दोराय नहीं कि जल संकट आने वाले समय में और भी गहराएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बीते पांच दशकों में देश में औसत वर्षा में गिरावट और चरम वर्षा घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इससे जल स्रोतों की स्वाभाविक पुनर्भरण और शुद्धीकरण क्षमता प्रभावित हुई है। अचानक होने वाली भारी वर्षा के दौरान यदि वर्षा जल का वैज्ञानिक ढंग से संचय न किया जाए, तो वह प्रदूषकों को अपने साथ बहा कर जलाशयों और नदियों में पहुंचा देता है, जिससे जल की गुणवत्ता और अधिक खराब हो जाती है।

इन परिस्थितियों में स्पष्ट है कि जल प्रबंधन को केवल राज्य या राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि सूक्ष्म स्तरीय जल प्रबंधन को नीति के केंद्र में लाया जाए। प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और प्रत्येक जल आपूर्ति मंडल के स्तर पर जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी, पाइपलाइन नेटवर्क का पृथक्कीकरण और वास्तविक समय के आंकड़ों पर आधारित चेतावनी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। जल सुरक्षा को अब 'एक समान नीति' के बजाय 'स्थान-विशिष्ट समाधान' के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत का जल संकट सर्वव्यापी समस्या है, जिसे सामान्य नीतियों से नहीं, बल्कि स्थानीय और सूक्ष्म स्तर पर लक्षित हस्तक्षेप से ही सुलझाया जा सकता है।

इसके साथ ही, 'हर घर नल' जैसी योजनाओं को 'हर नल सुरक्षित' की अवधारणा से जोड़ना भी अनिवार्य है। जल आपूर्ति की सफलता केवल 'कनेक्शन की संख्या' से नहीं, बल्कि जल की गुणवत्ता, निरंतरता और पारदर्शिता से मापी जानी चाहिए। स्थानीय निकायों को तकनीकी क्षमता, वित्तीय संसाधन और उत्तरदायित्व, तीनों स्तरों पर सशक्त किए बिना यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। इस दिशा में समन्वित प्रयास करने होंगे।

नागरिकों की भूमिका इस संकट में गौण नहीं है। जल उपयोग, संरक्षण और निगरानी को सामुदायिक उत्तरदायित्व के रूप में विकसित करना होगा। स्थानीय स्तर पर जल परीक्षण, शिकायत निवारण और सामाजिक परीक्षण जैसी प्रक्रियाएं इस दिशा में प्रभावी साधन बन सकती हैं। जल केवल सरकार द्वारा प्रदत्त सेवा नहीं, बल्कि समाज की साझी संपदा है और उसकी सुरक्षा भी सामूहिक प्रयास से संभव है।

इंदौर की त्रासदी एक चेतावनी है, लेकिन साथ ही यह अवसर भी है उस सोच को बदलने का, जिसमें जल संकट को केवल भविष्य की समस्या माना जाता रहा है। यदि आज भी जल की गुणवत्ता, अवसंरचना और स्थानीय निगरानी को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य होती जाएंगी।

जल संकट अब केवल पर्यावरणीय या तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और शासन की विश्वसनीयता की परीक्षा बन चुका है। भारत के लिए यह समय आत्ममंथन का है। जल प्रबंधन को आंकड़ों और घोषणाओं से आगे बढ़ा कर जमीन पर, गली-मोहल्ले के स्तर पर उतारने की आवश्यकता है। अन्यथा, हर शहर संभावित इंदौर बन सकता है और तब चेतावनियों का मूल्य केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जनहानि के रूप में चुकाना पड़ेगा।

हर रिश्ता निभाते-निभाते क्या हम खुद को ही खो रहे हैं? परफेक्ट दिखने की होड़ में अधूरी रह जाती भावनाएं

हम जब किसी रिश्ते में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर यह सोचकर नहीं आते कि हम क्या महसूस करते हैं, बल्कि यह सोचकर आते हैं कि हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। धीरे-धीरे रिश्ते भावनाओं का नहीं, अपेक्षाओं का मंच बन जाते हैं। हम यह मान लेते हैं कि अच्छे रिश्ते वही हैं, जहां कोई शिकायत न हो, कोई असहमति न हो और कोई थकान दिखाई न दे। यहीं से शुरू होती है 'परिपूर्ण बनने' या संपूर्णता की मांग की अदृश्य दौड़। हम हर भूमिका में खुद को ढालने लगते है- बेटी, पत्नी, मां, मित्र, सहकर्मी। और इस ढलने की प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हम भी एक इंसान हैं, जिसकी अपनी सीमाएं, अपनी जरूरतें और अपनी भावनाएं हैं।

संपूर्ण बनने की यह मानसिकता अचानक विकसित नहीं होती। इसका बीज बचपन में ही बो दिया जाता है, जब हमें सिखाया जाता है कि अच्छे बच्चे कैसे होते हैं। जो बच्चे ज्यादा सवाल न करें, जो बड़ों की हर बात मान लें और जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखना सीख लें।

लड़कियों के लिए यह सीख और भी सख्त होती है। उन्हें बताया जाता है कि ज्यादा बोलना अच्छा नहीं, अपनी बात मन में रखना ही समझदारी है और रिश्ते निभाने के लिए खुद को पीछे रखना पड़ता है। यही बातें आगे चलकर उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

'हम समझते हैं' कह देना आसान है, लेकिन क्या कोई सच में किसी का दुख समझ पाता है?

हर रिश्ता थोड़ा-बहुत समझौता मांगता है, इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब समझौता आदत बन जाए और अपनी बात रखना स्वार्थ समझा जाने लगे। कई लोग अपनी नाराजगी, थकान और असंतोष को भीतर ही दबाए रखते हैं, ताकि सामने वाला असहज न हो। धीरे-धीरे यह चुप्पी रिश्ते की भाषा बन जाती है। बाहर से सब ठीक दिखता है, लेकिन भीतर एक खालीपन जन्म लेने लगता है। व्यक्ति महसूस करता है कि वह हर रिश्ते में मौजूद है, लेकिन अपनी ही जिंदगी में अनुपस्थित है।

आज के समय में सोशल मीडिया ने परिपूर्णता या संपूर्णता की कसौटी वाले रिश्तों की एक झूठी तस्वीर हमारे सामने रख दी है। हर तरफ मुस्कुराते चेहरे, आदर्श जोड़े और खुशहाल परिवार दिखाई देते हैं। इन तस्वीरों के पीछे की थकान, मतभेद और चुप्पी कभी दिखाई नहीं देतीं। इन सबको देखकर हम अपने वास्तविक रिश्तों से असंतुष्ट होने लगते हैं। हमें लगता है कि कहीं हम ही कम पड़ रहे हैं, हमारा रिश्ता ही अधूरा है। इसी भावना के कारण हम खुद को और ज्यादा बदलने की कोशिश करने लगते हैं।

महिलाओं के जीवन में संपूर्णता की यह अपेक्षा कई गुना अधिक होती है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें, सबकी भावनाओं का खयाल रखें और अपनी तकलीफ को कभी प्राथमिकता न दें। जब वे थकती हैं, तो कहा जाता है कि यही उनकी शक्ति है। जब वे चुप रहती हैं, तो उसे सहनशीलता कहा जाता है, लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि इस चुप्पी की कीमत क्या है।

कई महिलाएं भीतर ही भीतर टूटती रहती हैं, पर बाहर से मजबूत दिखाई देती हैं। संपूर्ण बनने की यह कोशिश शुरुआत में रिश्तों को सहज बनाए रखती है, लेकिन समय के साथ यह उन्हें खोखला कर देती है। जब भावनाएं व्यक्त नहीं होतीं, तो वे दबकर गुस्से और निराशा का रूप ले लेती हैं। जब संवाद नहीं होता, तो दूरी अपने-आप पैदा हो जाती है।

एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसने रिश्तों को बचाने के लिए खुद को खो दिया है। तब यह प्रश्न उठता है कि क्या कोई रिश्ता इतना मूल्यवान हो सकता है कि उसके लिए खुद को मिटा दिया जाए? सच यह है कि रिश्तों को परिपूर्ण या संपूर्ण इंसानों की नहीं, बल्कि सच्चे और ईमानदार इंसानों की जरूरत होती है।

रिश्ते तब गहरे होते हैं, जब उनमें असहमति की जगह होती है, सवाल पूछने की आजादी होती है और भावनाओं को साझा करने का साहस होता है। वहां सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने की मजबूरी न हो। सबसे पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण रिश्ता खुद के साथ होता है। अगर उसी रिश्ते में हम झूठे हो जाएं, तो बाकी रिश्तों में सच्चाई निभाना कठिन हो जाता है।

अपनी सीमाओं को पहचानना, अपनी जरूरतों को महत्त्व देना और अपनी भावनाओं को सुनना रिश्तों को स्वस्थ बनाता है। जब हम खुद से ईमानदार होते हैं, तभी हम दूसरों के साथ भी ईमानदारी निभा पाते हैं। वरना रिश्ते केवल निभाने की जिम्मेदारी बनकर रह जाते हैं।

हर दिन अच्छा होना जरूरी नहीं। हर बार समझदार बनना भी जरूरी नहीं। रिश्तों में कभी-कभी अपनी बात रखना, असहमत होना और खुद के लिए खड़ा होना भी उतना ही आवश्यक है। हर कसौटी पर संपूर्ण होने की कोशिश में अगर हम अपनी सच्ची भावनाओं को दबा दें, तो रिश्ते केवल दिखावे का ढांचा बनकर रह जाते हैं।

जबकि रिश्तों की खूबसूरती उनकी अपूर्णता में ही छिपी होती है। शायद अब यह समझने का समय आ गया है कि रिश्ते निभाने के लिए खुद को तोड़ना नहीं पड़ता। उन्हें बचाने के लिए खुद को खोना नहीं होता। रिश्ते तभी टिकते हैं, जब उनमें इंसान होने की पूरी गुंजाइश बची रहे। 'परिपूर्ण' या संपूर्णता नहीं, बस सच्चा रहा जाए–यही रिश्तों की सबसे मजबूत नींव है।

पैक्स सिलिका क्या है? इसमें भारत को शामिल करने से अमेरिका को क्या लाभ मिलेगा?

पैक्स सिलिका अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है, जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई, सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे 'पॉजिटिव-सम' साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है।

इस प्रकार पैक्स सिलिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करना और विश्वसनीय देशों के बीच सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई (ँघ) अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है।

जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी।

पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैंः- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और ँघ क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और एआई सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा।

भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर मुख्य रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह पहल विशेषकर सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर और एआई सप्लाई चेन में उसके एकाधिकार को चुनौती देगी। रूस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है, लेकिन सीधा उल्लेख कम है। यह वैश्विक तकनीकी निर्भरता को पुनर्गठित करेगा। इसका चीन पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि चीन वर्तमान में महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, चिप निर्माण और ँघ इंफ्रास्ट्रक्चर पर हावी है। लिहाजा पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत का प्रवेश उसके प्रभुत्व को कम करेगा, दबावयुक्त निर्भरता घटाएगा और वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाएगा। इससे चीन के निर्यात बाजार और तकनीकी वर्चस्व पर दबाव बढ़ेगा।

जहां तक रूस पर प्रभाव की बात है तो रूस पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव का स्पष्ट उल्लेख नहीं मिला, लेकिन ट्रंप प्रशासन के रूसी तेल खरीद पर 500इ टैरिफ जैसे कदमों से व्यापक आर्थिक दबाव जुड़ सकता है। दरअसल पैक्स सिलिका ऊर्जा स्रोतों की सुरक्षित चेन पर फोकस करता है, जो रूस के पारंपरिक ऊर्जा निर्यात को अप्रत्यक्ष चुनौती दे सकता है। इसका सामरिक निहितार्थ यह होगा कि भारत के बढ़े कदम से अमेरिका-भारत साझेदारी मजबूत होगी।इसको मजबूत कर भू-राजनीतिक संतुलन बदलेगा, जहां चीन-रूस गठजोड़ कमजोर पड़ सकता है। जबकि भारत को निवेश और तकनीक मिलने से उसकी वैश्विक स्थिति मजबूत होगी।

भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा क्योंकि नई पहल मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, एआई और महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में उसके वर्तमान प्रभुत्व को कम करके बढ़ेगा। यह वैकल्पिक उत्पादन केंद्र स्थापित कर चीन के निर्यात बाजार को सीधे चुनौती देगा। रणनीतिक रूप से यह अमेरिका-नीत गठबंधन को मजबूत करेगा। जहां तक सप्लाई चेन पर प्रभाव की बात है तो चीन सिलिकॉन, चिप निर्माण और एआई हार्डवेयर में 70-90इ वैश्विक आपूर्ति नियंत्रित करता है। लिहाजा इसमें भारत का प्रवेश निवेश आकर्षित कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा, जिससे चीन के बाजार हिस्से में 10-20इ गिरावट आ सकती है। इससे उसके निर्यात राजस्व में अरबों डॉलर का नुकसान होगा। इससे निर्यात और बाजार हानि भी होगी क्योंकि भारत जैसे नए केंद्रों से जापान, कोरिया और यूरोपीय कंपनियां खरीदारी स्थानांतरित करेंगी। चीन के सस्ते उत्पादों पर निर्भरता घटेगी, जिससे उसके व्यापार अधिशेष पर दबाव पड़ेगा। लंबे समय में एआई और टेक निर्यात 15-25इ कम हो सकते हैं। जहां तक भू-आर्थिक परिणाम की बात है तो भारत का यह कदम चीन को तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए मजबूर करेगा, लेकिन तत्काल पूंजी और बाजार हानि से उसकी विकास दर 0.5-1इ धीमी हो सकती है। भारत-अमेरिका साझेदारी से वैश्विक टेक व्यापार का पुनर्वितरण होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो भारत को अपने पाले में मिलाने के लिए और रूस-चीन से उसकी रणनीतिक दूरी बढ़ाने के लिए दुनिया का थानेदार अमेरिका बेकरार है, क्योंकि गुटनिरपेक्ष भारत जिधर होगा उस वैश्विक गठबंधन का अंतर्राष्ट्रीय वजन स्वतः बढ़ जाएगा। ऐसा इसलिए कि भारत दुनिया की सबसे आबादी वाला गणतांत्रिक देश है। यहां के लोगों में बल और बुद्धिमत्ता कूट कूट कर भरी है। आर्थिक और सैन्य दृष्टि से भी भारत निरंतर प्रगति कर रहा है। यही वजह है कि अमेरिका ब्रेक के बाद एक से बढ़कर एक वैश्विक गुटीय ऑफर दे रहा है। यह बात अलग है कि रूस से भारत के घनिष्ट रिश्ते में खटास पैदा करने के लिए वह टैरिफ इजाफे का भी दांव चल चुका है और आगे ज्यादा करने की धमकी भी दे रहा है। वहीं द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को भी बेवजह लंबा खींच रहा है। ऐसे में अमेरिका अब भारत का भरोसेमंद मित्र नहीं हो सकता है। लेकिन रूसी-चीनी दोस्ती के दृष्टिगत अमेरिका से खुलेआम शत्रुता भी नहीं की जा सकती। इसलिए चीन की तरह ही अमेरिका से भी शो शो का रिश्ता रखना लाजिमी है।

अनुभव बताता है कि अमेरिका भारत से अपनी मनवाने पर तुला हुआ है, लेकिन भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के दृष्टिकोण पर अडिग है जिससे अमेरिका की हर कोशिश कमतर प्रतीत होती है। ऐसा इसलिए कि भारत अपने भरोसेमंद अंतर्राष्ट्रीय मंच मित्र रूस को न तो छोड़ना चाहता है और न ही अपने रणनीतिक दुश्मन चीन-पाकिस्तान से बेवजह पंगा लेना चाहता है, क्योंकि भारत निज विकास के द्वारा अपनी जनता के जीवन स्तर में बढ़ोतरी को प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि अब अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका समूह में शामिल करने का लॉलीपॉप थमाया है, ताकि भारत को पटाकर रणनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।

पीड़ितों के खातों में धनराशि कराया गया वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिसअधीक्षक भदोही द्वारा पीड़ितों के साथ हुए साइबर धनराशि फ्रॉड, धोखाधड़ी या सोशल साइट के दुरुपयोग तथा एनसीआरपी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशन के क्रम में एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन कर जनपदीय साइबर सेल द्वारा शिकायतकर्ता/पीड़ित अली हसन का संपूर्ण धन ?93555/- एवं साइबर हेल्प डेस्क थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही द्वारा शिकायतकर्ता मनोज तिवारी का संपूर्ण धन ?21000/- तथा साइबर हेल्प डेस्क थाना गोपीगंज जनपद भदोही द्वारा शिकायतकर्ता अमित कुमार यादव के ?8550/- तथा शिकायतकर्ता शुभम कुमार यादव के ?1500/- उनके खाते में वापस कराया गया। पीड़ित व्यक्तियों द्वारा खाते से गयी धनराशि को वापस पाकर पुलिस अधीक्षक भदोही, जनपदीय साइबर सेल तथा साइबर हेल्प डेस्क थाना ज्ञानपुर/गोपीगंज जनपद भदोही के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

नड़ौरा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवें दिन रोमांचक मुकाबले

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के विकास खंड शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत लुचुइया टोला नड़ौरा गांव स्थित खेल मैदान में आयोजित नड़ौरा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवें दिन का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी कृष्ण कुमार पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि शिक्षक राकेश कुमार जायसवाल ने फीता काटकर किया।पांचवें दिन का पहला मुकाबला खुनुवा एलेवेन और अलीगढ़वा जहीर एलेवेन के बीच खेला गया। टॉस जीतकर खुनुवा एलेवेन ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अलीगढ़वा जहीर एलेवेन की टीम 9.3 ओवर में 73 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से समीर ने 22 रन की शानदार पारी खेली। खुनुवा एलेवेन की ओर से अमित ने 4 विकेट और संदीप ने 3 विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया।

74 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी खुनुवा एलेवेन की टीम संघर्ष के बावजूद 61 रन पर सिमट गई। अलीगढ़वा जहीर एलेवेन की ओर से सैय्यद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में मात्र 8 रन देकर 4 विकेट झटके और टीम को जीत दिलाई। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैय्यद को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्हें पुरस्कार मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार पाण्डेय द्वारा प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार पाण्डेय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और भाईचारे को बढ़ावा देती हैं।टूर्नामेंट के आयोजक अंशिका फर्टिलाइजर एंड ट्रेडर्स के प्रोपराइटर विवेक उपाध्याय एवं संजय मिश्रा रहे। आयोजन में राजा, राकेश राज, अमित उपाध्याय, श्रवण कुमार उपाध्याय, राजकुमार उपाध्याय, विनोद उपाध्याय, चंद्रभान, मोतीलाल, रामदेव, नागेंद्र नाथ उपाध्याय, गणेश उपाध्याय, सुधाकर गिरी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

दूसरा मुकाबला झंडे नगर और एनसीसी एलेवेन के बीच खेला गया। टॉस जीतकर झंडे नगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 48 रन बनाए, जिसमें एजाज ने सर्वाधिक 15 रन बनाए। एनसीसी एलेवेन की ओर से सब्बू ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनसीसी एलेवेन की टीम ने मात्र 3 ओवर में एक विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। रिजवान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 41 रन बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

कमेटी अध्यक्ष अमित उपाध्याय, उपाध्यक्ष गोलू उपाध्याय तथा कमेटी सदस्य संदीप, निखिल, निलेश, स्कंद, सुंदरम, साईराज, रघुराज आदि ने सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट क्षेत्र की उभरती खेल प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

साइबर हेल्प डेस्क द्वारा पीड़ित के खाते में धनराशि कराया वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां जनपद भदोही व थानाध्यक्ष सुरियावाँ को किसी पीड़ित व्यक्ति के साथ हुए धोखाधड़ी या सोशल साइट के दुरुपयोग पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । उक्त के क्रम में आवेदक रामफल बिन्द पुत्र शशिकान्त बिन्द निवासी गनेशरायपुर थाना सुरियावां जनपद भदोही मो0नं0 9005424595 से फ्रॉडस्टर द्वारा पैसा डबल करने का झांसा देकर दिनांक 03/05/2025 को 14600/- रुपये का फ्रॉड कर लिया गया था जिसके सम्बन्ध में आवेदक द्वारा आनलाइन साईबर शिकायत दर्ज किया गया था । साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां जनपद भदोही द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र तथा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित का कुल 14600/- रुपये की धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस कराया गया । पीड़ित द्वारा खाते से गयी धनराशि को वापस पाकर पुलिस अधीक्षक भदोही व साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावाँ जनपद भदोही के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि- भूरि प्रशंसा की गयी ।

उ.प्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की योजना ऋण गृहता एक मुश्त समाधान 31मार्च तक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)/ जिला प्रबन्धक - अनुगम भदोही अनुराग राय ने विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एव विकास निगम लि0 द्वारा अनुसूचित जाति के उत्थान हेतु संचालित (स्वतः रोजगार योजना (एस0सी0पी0) एव राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एव विकास निगम की (अनुविनि योजना) (यथाःवाहन योजना/ टर्मलोन योजना/रिक्सा योजना) के ऋण जमा करने हेतु नवीन एकमुश्त समाधान योजना (ओ0टी0एस0) प्रबन्ध निदेशक उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एव विकास निगम लि0 लखनऊ के पत्र द्वारा लागू की गयी है। परन्तु उक्त योजनान्तर्गत किन्ही कारण वश बकाये दारो द्वारा अभी अपनी देय ऋण राशि की किस्तों को जमा नही कर सके है और उन पर ऋण अवधि के उपरान्त भी नूलधन पर दण्ड ब्याज एक चक्रवृद्धि ब्याज की गणना करते हुए कुल बकाया धनराशि बहुत अधिक हो गयी है जिसकी अदायगी करने एवं लाभार्थी हित के दृष्टिगत वर्तमान सरकार द्वारा नवीन एक मुश्त समाधान योजना (ओ0टी0एस0) 31 मार्च 2025 तक लागू को गयी थी। सन्दर्भित योजनान्तर्गत ऐसे अनुसूचित जाति के गरीब ऋण गृहीताओ के हितो को नई एकमुश्त समाधान योजना (ओ0टी0एस0) 31 मार्च 2026 तक बढ़ाया जाता है। इस नई एकमुश्त समाधान योजना (ओ0टी0एस0) मे ऋण गृहीता से केवल ऋण अवधि (36/ 60 माह) का ब्याज लेकर दण्ड ब्याज / चकवृद्धि ब्याज माफ कर ऋण खाता बन्द कर दिया जायेगा।

अतः इस जनपद उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 द्वारा संचालित योजनाओ समस्त ऋण गृहता को सूचित किया जाता है कि एक मुश्त समाधान योजना (ओ0टी0एस0) का लाभ प्राप्त करने हेतु दिनांक 01-01-2026 से 31-03-2026 तक किसी कार्य दिवस में उ0प्र0 सरकार की उक्त महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) जो ज्ञानपुर भुडकी विकास भवन कक्ष सं0 309 दूसरे तल पर उपस्थित होकर योजना का लाभ प्राप्त करें।

सहकारी ग्राम विकास बैंक प्रतिनिधियों का निर्वाचन कार्यक्रम विकास खण्ड ज्ञानपुर में

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला मजिस्ट्रेट/जिला सहकारी निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार द्वारा जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि निर्वाचन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, राज्य सहकारी समिति निर्वाचन आयोग लखनऊ, के कार्यालय आदेश द्वारा उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0 शाखा ज्ञानपुर, जनपद - भदोही के बैंक शाखा प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु तिथियां निर्धारित करते हुए निर्वाचन कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है, जिसका प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में सचिव, उत्तर प्रदेश, राज्य सहकारी समिति निर्वाचन आयोग लखनऊ द्वारा प्रदेश स्तर पर कराया जा चुका है। उपरोक्त के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी समिति निर्वाचन नियमावली 2014 के नियम 32 के सुसंगत प्राविधानों के अधीन शैलेष कुमार, जिला मजिस्ट्रेट / जिला सहकारी निर्वाचन अधिकारी, भदोही उ0प्र0 द्वारा सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0 शाखा ज्ञानपुर, जनपद भदोही के बैंक शाखा प्रतिनिधियों का समस्त निर्वाचन कार्यक्रम विकास खण्ड कार्यालय ज्ञानपुर जनपद भदोही से कराये जाने सम्बन्धी सूचना का प्रसारण किया जाता है।

मकर संक्रांति स्नान पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सहूलियत के दृष्टिगत किए गए हैं व्यापक बंदोबस्त

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मकर संक्रांति स्नान पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सहूलिया के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। जनपद के सभी स्नान घाटों- रामपुर गंगा घाट, सीतामढ़ी व सेमराधनाथ आदि पर पर्याप्त संख्या में महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, साथ ही सादे वस्त्रों में भी पुलिस कर्मियों को मुस्तैद किया गया है। प्रमुख स्नान घाटों जैसे सेमराध नाथ धाम, प्रमुख मंदिरों जैसे सीतामढ़ी कबूतर नाथ मंदिर हरिहर नाथ मंदिर आदि भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर ड्रोन कैमरों की मदद से सतत् निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। विभिन्न चौराहों, महत्वपूर्ण मार्गों एवं संभावित भीड़-भाड़ स्थानों पर स्थानों एवं चौराहों पर 450 पुलिसकर्मियों की गई है तैनाती की गई है।

थाना कोइरौना क्षेत्र में गंगा तट पर कल्पवास कर रहे श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुरक्षा, सुविधा एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रबंध एवं आपातकालीन सहायता कैंप स्थापित किए गए हैं।

अभियन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में एवंशुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक, भदोही द्वारा थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा जनपद के विभिन्न गंगा स्नान घाटों- रामपुर गंगा घाट, सेमराधनाथ व सीतामढ़ी घाट आदि का निरीक्षण/भ्रमण करते हुए ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

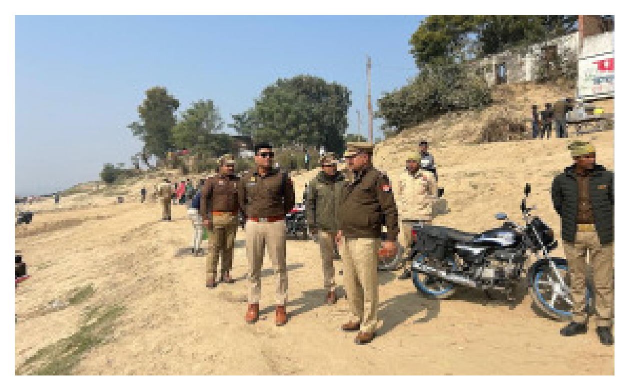

चेयरमैन द्वारा सुरियावा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 4 बनवासी बस्ती में किया कंबल का वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गुरुवार को नगर पंचायत सुरियावा के चेयरमैन विनय चौरसिया व थाना अध्यक्ष सुरियावा मनीष द्विवेदी द्वारा वार्ड नंबर 4 वनवासी बस्ती में जरूरतमंद लोगों को मकर संक्रांति त्योहार के अवसर पर लगभग 200कंबल का वितरण किया कंबल प्रकार जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी इस मौके पर चेयरमैन द्वारा बताया कि ठंड के मौसम में गरीब के सेवा से बढ़कर और कोई कार्य नहीं है लोगों

को इनकीसेवा करना सबसे बड़ा पुनीतकार्य है लोगों को जरूरतमंदों का हमेशा सहारा करना चाहिए इस मौके पर पंजाबी मोदनवाल गोपाल मदन जयसवाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पच्चीस हजार का इनामी वांछित चोर गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की एसओजी और थाना इटवा पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी हुई लाइसेंसी रिवाल्वर के मामले में वांछित ?25, 000 के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, दिनांक 9, 10 अगस्त 2025 की रात थाना इटवा क्षेत्र के सहदेईया गांव निवासी राहुल कुमार पाठक के घर में पीछे से छत के रास्ते घुसकर अज्ञात चोरों ने अलमारी, बक्सा और अटैची तोड़कर एक लाइसेंसी रिवाल्वर, छह कारतूस, दो मोबाइल फोन और नकदी चोरी कर ली थी। इस संबंध में थाना इटवा में मुकदमा संख्या 146, 2025 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।इस मामले में पूर्व में एक अभियुक्त शिवराम यादव को गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि उसका साथी रामअवतार कन्नौजिया उर्फ ललई पिछले चार माह से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा ?25, 000 का इनाम घोषित किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश के पर्यवेक्षण में 14 जनवरी 2026 को एसओजी व थाना इटवा पुलिस की संयुक्त टीम ने इटवा-बांसी मार्ग पर खरदेवरी भट्ठे के पास से वांछित अभियुक्त रामअवतार कन्नौजिया उर्फ ललई को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ।पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी शिवराम यादव के साथ मिलकर सहदेईया गांव में चोरी की थी, जिसमें रिवाल्वर, कारतूस, मोबाइल फोन और नकदी प्राप्त हुई थी। उसने बताया कि उसके हिस्से में आया मोबाइल फोन बेचने के लिए वह ग्राहक का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया।पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे माननीय न्यायालय भेज दिया है। इस सफलता से क्षेत्र में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और पुलिस की सख्ती का संदेश गया है।

पुलिस ने चलाया महिला जागरूकता अभियान महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव थाना ढेबरुआ के नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केंद्र, बहू बेटी सम्मेलन एवं नए कानून के संबंध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत के ग्राम- संसरी में महिलाओं/बालिकाओं को महिला अपराध, साइबर अपराध व उससे बचाव के संबंध में जागरुक किया गया तथा महिला सशक्तिकरण संबंधी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान के तहत जागरुक किया गया महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा के बारे में उप निरीक्षक कुंजबिहारी तिवारी, उप निरीक्षक सोमनाथ शर्मा, महिला कांस्टेबल मीरा रानी, श्रद्धा त्रिपाठी ने जानकारी दी गई ।

मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा व साइबर अपराध रोकने के लिए जागरूकता

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन पुलिस के आदेश के क्रम में महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा तथा थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर चंद्रकांत पाण्डेय के नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तहत ग्रामसभा बीरपुर एहतमाली में मिशन शक्ति के सम्बन्ध में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया व जागरूक किया गया मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, एंटीरोमियो अभियान एवं साइबर अपराध सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर-112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव के कुशल पर्वेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्य थाना शिवनगर डिडई मय टीम द्वारा को मु0अ0स0 51/2025 धारा 2(ख)(1) / 3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट में चले रहे वाँछित अभियुक्त को कडसरा पुल के पास से जय प्रकाश यादव उर्फ शिव प्रकाश उर्फ झिनकू पुत्र रामजियावन यादव निवासी सगरा थाना सोनहा जनपद बस्ती से उप निरीक्षक राजीव जी भट्ट, कांस्टेबल प्रमोद यादव, कांस्टेबल सौरभ सिंह, कांस्टेबल अजय यादव की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा।

मिशन शक्ति टींम द्वारा मिशन शक्ति, बहू बेटी सम्मेलन, नए कानून संबंधी जागरूकता

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ 'श्री मयंक द्विवेदी'तथा थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह' थाना शोहरतगढ़ के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केंद्र, बहू बेटी सम्मेलन एवं नए कानून के संबंध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत ग्राम गुजराउलिया चौकी खुनुवा थाना शोहरतगढ़' में चौपाल लगाकर दहेज उत्पीड़न व नये कानून के बारे में महिला सशक्तिकरण संबंधी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान के तहत जागरुक किया गया महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा के बारे में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, आरक्षी पवन मौर्या, महिला आरक्षी उर्मिला देवी, शोभा भारती, अम्बिका की टीम किया जागरूक।

मायावती ने जन्म दिन पर कार्यकताओं को दिया बड़ा संदेश, कहा- चुनाव में शर्त पर होगा गठबंधन पर विचार

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 सहित देश में होने वाले सभी छोटे-बड़े चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश में बसपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में अपना 70वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों पर निशाना साधा।

उन्होंने स्पष्ट किया, 'हमारी पार्टी ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में सभी चुनाव अकेले लड़ना अधिक उचित समझा है। किसी भी पार्टी के साथ किसी भी चुनाव में किसी प्रकार का गठबंधन नहीं किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि यह भरोसा हो जाता है कि किसी गठबंधन सहयोगी पार्टी के खासकर अगड़ी जातियों के वोट बसपा को स्थानांतरित हो सकते हैं, तभी गठबंधन पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता बसपा के चार कार्यकालों को याद करते हुए एक बार फिर 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि इसे साकार करने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तरह जुट गए हैं, ताकि इस बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जा सके। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य जातिवादी पार्टियां विभिन्न हथकंडे अपना रही हैं जिनका मुंहतोड़ जवाब देकर उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार बसपा की सरकार

बनानी है। ईवीएम को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले कई चुनावों की तरह इस बार भी ईवीएम में धांधली और बेईमानी हो सकती है, इसके बावजूद बसपा पूरे देश में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि लोगों का मानना है कि ईवीएम में धांधली करने वालों का सिस्टम कभी भी विफल हो सकता है और तब सही चुनाव परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में ईवीएम का विरोध बढ़ रहा है। बसपा प्रमुख ने पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया गया और उनकी उपेक्षा की गई थी। उन्होंने कहा कि अन्य जातियों के साथ-साथ मुस्लिम समाज के साथ भी अन्याय हुआ है।

मायावती ने दावा किया कि बसपा सरकार के दौरान दंगे नहीं हुए और यादव समाज का भी पूरा ध्यान रखा गया। इससे पहले मायावती के जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। प्रभु श्रीराम से आपके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लिखा, 'आदरणीय सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। उन्हें स्वस्थ, स्वतंत्र जीवन और सार्थक सक्रियता के लिए अनंत शुभकामनाएं।' उन्होंने आगे लिखा, 'शोषित, वंचित, उत्पीड़ित और उपेक्षित समाज के मान-सम्मान एवं अधिकारों के लिए उनका संघर्ष निरंतर बना रहे–इसी कामना के साथ पुनः जन्मदिन की बधाई।' बसपा प्रमुख मायावती का आज 70वां जन्मदिन है, जिसे पार्टी पूरे प्रदेश में 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मना रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने लोगों को मकर संक्रांति और पोंगल की बधाई दी

'एक्स' पर लिखा- भगवान भास्कर और मां गंगा-यमुना-सरस्वती की कृपा सभी पर बनी रहे

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को फसल के त्योहारों मकर संक्रांति और पोंगल पर लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, ''लोक आस्था और जगत पिता भगवान सूर्य की उपासना के पावन पर्व 'मकर संक्रांति' के सुअवसर पर पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' उन्होंने कहा, ''भगवान भास्कर की कृपा तथा मां गंगा-यमुना-सरस्वती का आशीष सभी पर सदा बना रहे, यही प्रार्थना है।'' एक और पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने पोंगल की बधाई देते हुए कहा, ''कृषि-संस्कृति, प्रकृति-संरक्षण और अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ को समर्पित पोंगल पर्व की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''समृद्धि और सद्भाव का संदेश देने वाला यह पर्व सभी के जीवन को सुख, शांति, आनंद और आरोग्यता से परिपूर्ण करे, यही प्रार्थना है।''

मकर संक्रांति पर सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाई खिचड़ी, कहा- 'ये मेरा सौभाग्य है

गोरखपुर (एजेंसी)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गुरुवार तड़के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 4 बजे नाथपंथ की परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को श्रद्धा की पवित्र खिचड़ी अर्पित की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और लोकमंगल की कामना की। खिचड़ी अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर गोरखपुर में लाखों श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर पंक्तिबद्ध होकर खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान गोरखनाथ के चरणों में खिचड़ी अर्पित करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी आस्था और विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है। सूर्यदेव को जगत की आत्मा माना गया है और यह पर्व सूर्य उपासना का प्रतीक है। मकर संक्रांति के बाद सनातन परंपरा में सभी शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। उन्होंने बताया कि ज्योतिष के अनुसार सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, जिसे संक्रांति कहा जाता है। जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है, तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के साथ सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और अगले छह महीने तक यह काल चलता है। मकर संक्रांति के मुख्य पर्व से एक दिन पहले बुधवार को गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाने के लिये तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गयी। गोरखनाथ मंदिर के सूत्रों ने बताया कि मकर संक्रांति का मुख्य पर्व बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा। लाखों श्रद्धालुओं ने बुधवार को ही बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। बुधवार तड़के मंदिर के कपाट खुलते ही खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो गया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, पड़ोसी राज्य बिहार और नेपाल से आए श्रद्धालुओं ने कतार में खड़े होकर गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई।

साधु के भेष में मंदिर में घुसा चोर! माता का मुकुट और चढ़ावा लेकर फरार, सीसीटीवी फुटेज वायरल

लखनऊ (एजेंसी)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के मुरलीनगर इलाके में आस्था को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां स्थित एक प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर में साधु के भेष में घुसे शातिर चोर ने माता का चांदी का मुकुट और दानपात्र में रखी नगदी चोरी कर ली। पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

घटना 11 जनवरी की शाम की बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति साधु के वेश में मंदिर का गेट खोलकर अंदर प्रवेश करता है। इसके बाद वह बड़ी सहजता से माता के विग्रह से चांदी का मुकुट उतारता है और दानपात्र से नकदी निकालकर फरार हो जाता है। चोरी के बाद आरोपी मंदिर परिसर से बाहर निकल जाता है।

मंगलवार को जब मंदिर के व्यवस्थापक मधुसूदन त्रिवेदी पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तो उन्हें माता का मुकुट गायब मिला। दानपात्र की जांच करने पर उसमें रखी नगदी भी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल मोहनलालगंज थाने में पुलिस को तहरीर देकर घटना की जानकारी दी।

मामले को लेकर पुलिस ने जांच का दावा किया है, लेकिन खबर लिखे जाने तक इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। इससे क्षेत्र के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि मंदिर जैसी पवित्र जगह पर हुई चोरी की घटना बेहद गंभीर है और पुलिस को तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी करनी चाहिए।

'अब कोई बचाने नहीं आएगा' अनुज चौधरी के खिलाफ एफआईआर का आदेश

अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया

लखनऊ (एजेंसी)। संभल हिंसा मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। चंदौसी की अदालत ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, तत्कालीन कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर और कुछ अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इस फैसले के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार और पुलिस पर कड़ा हमला बोला है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अब इन पुलिसकर्मियों को बचाने कोई नहीं आएगा। उन्होंने कहा, 'अब कोई बचाने नहीं आएगा। अब ये पक्षपाती पुलिसकर्मी अकेले में खाली बैठकर याद करेंगे। भाजपा का फ़ार्मूला नंबर 1 है, पहले इस्तेमाल करो, फिर बर्बाद करो! भाजपा का फ़ार्मूला नंबर 2 है - भाजपाई किसी के सगे नहीं होते।'

एक अन्य पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ बड़े पुलिस अधिकारी कोर्ट के आदेश को गलत बता रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह अदालत की अवमानना नहीं है। अखिलेश ने कहा, सत्ता की चापलूसी के चक्कर में जरूरत से ज्यादा दरोगाई दिखाना कहीं महंगा न पड़ जाए।'

संभल जिले के चंदौसी कोर्ट ने यह आदेश 9 जनवरी को दिया था। यह आदेश उस याचिका पर आया, जो हिंसा में घायल एक युवक के पिता ने दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि युवक को पुलिस की गोली लगी थी। हालांकि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है कि वे इस

आदेश के खिलाफ अपील करेंगे। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि इस मामले में पहले ही न्यायिक जांच हो चुकी है, इसलिए नई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी।

यह मामला 19 नवंबर का है, जब कुछ हिंदू याचिकाकर्ताओं ने संभल जिला अदालत में दावा किया था कि शाही जामा मस्जिद एक पुराने हरिहर नाथ मंदिर के ऊपर बनी है। अदालत के आदेश पर उसी दिन सर्वे कराया गया और 24 नवंबर को दूसरा सर्वे हुआ।दूसरे सर्वे के बाद संभल में हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हुई और 29 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में अब तक 12 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क, मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष जफर अली समेत करीब 2, 000 से ज्यादा लोगों को आरोपी बनाया गया है।

काशी की विरासत पर बुलडोजर कार्रवाई? मणिकर्णिका घाट पर सौंदर्यीकरण को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को वाराणसी के प्रसिद्ध श्मशान घाट, मणिकर्णिका घाट के प्रस्तावित रूपांतरण पर सवाल उठाते हुए इसे बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण का प्रयास बताया, जो सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर कई मंदिरों, छोटे-बड़े तीर्थस्थलों को ध्वस्त किया जा रहा है।

मल्लिकार्जुन खर्गे ने पूछा कि लाखों लोग हर साल अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में मोक्ष की तलाश में काशी आते हैं। क्या आपका इरादा इन श्रद्धालुओं के साथ विश्वासघात करने का है?

खरगे ने कथित तौर पर ध्वस्त की गई मूर्तियों और बुलडोजरों की तस्वीरें और वीडियो एक्स पर साझा किए। खरगे ने एक्स पर लिखा कि बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर आपने बनारस के मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर चलाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर दिया है। आप चाहते हैं कि ऐतिहासिक विरासत का हर टुकड़ा मिटा दिया जाए और उस पर सिर्फ आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए।

खरगे ने कहा कि गुप्त काल में स्थापित और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्निर्मित इस दुर्लभ धरोहर को ध्वस्त करना एक अपराध है। उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी के व्यापारिक मित्रों' को लाभ पहुंचाने का इरादा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा कि आपने पानी, जंगल, पहाड़ - सब कुछ उन्हें सौंप दिया; अब सांस्कृतिक धरोहर की बारी है। देश की जनता के आपसे दो सवाल हैं - क्या धरोहर को संरक्षित करते हुए जीर्णोद्धार, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण नहीं किया जा सकता था? 2. मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर की चपेट में आने वाली सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियों पर कुल्हाड़ी क्यों चलाई गई और उन्हें मलबे में क्यों फेंक दिया गया? क्या उन्हें किसी संग्रहालय में संरक्षित नहीं किया जा सकता था?

मणिकर्णिका घाट के जीर्णोद्धार और पुनर्विकास की योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 7 जुलाई, 2023 को आधारशिला रखने के साथ हुई थी। इस परियोजना की कुल जीर्णोद्धार लागत लगभग 17.56 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए मणिकर्णिका घाट की छत पर विशेष अतिथियों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, रैंप, दर्शन क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मणिकर्णिका घाट पर एक लकड़ी का प्लाजा भी बनाया जाएगा, जहां शोक संतप्त लोग अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी खरीद सकेंगे।

बीएमसी चुनाव : 'मिटने वाली स्याही' पर मचा घमासान वायरल वीडियो पर चुनाव आयुक्त ने दिए जांच के आदेश

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई में दोपहर 3:30 बजे तक 41.08इ मतदान दर्ज किया गया। चल रहे बीएमसी चुनावों में सलमान खान, जाह्नवी कपूर, सौम्या टंडन और अन्य सहित कई बॉलीवुड हस्तियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करते देखा गया। दूसरी ओर महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगाई गई अमिट स्याही को मिटाए जाने की शिकायतों के बाद जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसीटोन या नेल पॉलिश से अमिट स्याही को मिटाने के दावे झूठे हैं और चेतावनी दी कि स्याही मिटाने या मतदाताओं के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाघमारे ने पत्रकारों से कहा कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगाए जाने वाले मार्करों में इस्तेमाल होने वाली अमिट स्याही 2011 से ही इस्तेमाल में है। ये मार्कर एक ही कंपनी द्वारा निर्मित हैं और इनमें स्याही की संरचना भी एक जैसी

है। लगाने के बाद स्याही को सूखने में 10 से 12 सेकंड लगते हैं और एक बार सूखने के बाद इसे मिटाया नहीं जा सकता। मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करने के लिए सोशल मीडिया पर स्याही से संबंधित वीडियो प्रसारित करना अस्वीकार्य है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शुरुआती मतदान करने वालों में शामिल थीं। महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक और उनके परिवार ने बोनकोड मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला, जबकि पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्र ने उच्च आय वाले मतदाताओं की शिकायत करने के बावजूद वोट न डालने की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आनंद दुबे और अनिल परब ने भी मुंबई में मतदान किया और मतदान केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं को लेकर चिंता जताई। दुबे ने चुनाव आयोग की वेबसाइट में खामियों और डिजिटल मतपत्रों के प्रदर्शन में अनियमितताओं की ओर इशारा किया, जबकि परब ने दावा किया कि चुनाव स्याही को मिटाया जा सकता है, जिससे संभावित छेड़छाड़ का संकेत मिलता है।

शिवसेना यूबीटी प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी मतदाता नामों के गायब होने, पुरानी ईवीएम मशीनों और स्याही की अनियमितताओं का हवाला देते हुए प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की। ठाकरे ने इन घटनाओं को 'लोकतंत्र पर खुला हमला' करार दिया और इन्हें 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रस्ताव से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ा।

प्रचंड, अटल और असहनीय, भारतीय सेना ने जारी किया ऑपरेशन 'सिंदूर' का नया वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने सेना दिवस के अवसर पर एक नया वीडियो जारी किया, जिसमें पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा पार आतंकी शिविरों पर किए गए सटीक हमलों और उसके बाद पाकिस्तानी हवाई अड्डों और उनके रडार सिस्टम पर हुए हमलों को दिखाया गया है। तीन मिनट के इस वीडियो की शुरुआत में 2001 में संसद पर हमला, 2002 में अक्षरधाम मंदिर पर हमला, 2008 में मुंबई पर हमला, 2016 में उरी पर हमला, 2019 में पुलवामा पर हमला और 2025 में पहलगाम पर हमला जैसी प्रमुख आतंकी घटनाओं का जिक्र किया गया है। सेना ने इन घटनाओं को मानवता पर हमला बताया है। वीडियो में दिखाया गया कि कैसे भारतीय सेना ने 7 मई, 2025 की रात को नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। दृश्यों में ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए समन्वित हमले दिखाए गए।

पाकिस्तान का नाम लिए बिना, वीडियो में जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों के पास पाकिस्तान द्वारा की गई भारी गोलाबारी के बाद के हालात भी दिखाए गए। इसमें भारतीय सेना द्वारा ड्रोन को मार गिराने और सैन्य चौकियों को निशाना बनाने के माध्यम से की गई जवाबी कार्रवाई भी दिखाई गई। फुटेज में सीमा पार हवाई रक्षा रडारों और हवाई अड्डों पर हमले भी दिखाए गए। वीडियो के अंत में एक संदेश है, हमारे दुश्मनों के लिए एक चेतावनी। उन्हें अपनी कायरता की कीमत चुकानी होगी।

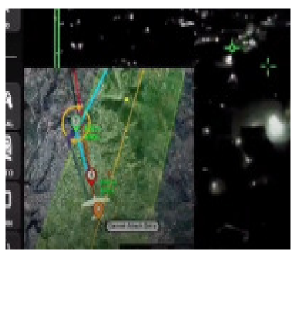

ऑपरेशन सिंदूर का विचार तब आया जब पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया, लोगों से उनका धर्म पूछा और 26 लोगों की हत्या कर दी। सरकार ने कहा था कि पहलगाम हमला सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का स्पष्ट प्रयास था। 7 मई 2025 को, भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ड्रोन भेजे और जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लोगों के घरों पर गोलाबारी की। इसके जवाब में भारत ने हमले किए और पाकिस्तान में कई रडार प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण हवाई अड्डों को नष्ट कर दिया।

बदलाव लाने में जनभागीदारी महत्वपूर्ण है : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि बदलाव लाने के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण है और इसकी शुरुआत नागरिकों के मतदान के लिए बाहर निकलने से होती है। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, ''बदलाव केवल वही लोग ला सकते हैं जो इसमें भाग लेने के लिए तैयार हों। भाग लेने का मतलब यह नहीं है कि मैं उम्मीदवार के रूप में खड़ा हो जाऊं। भाग लेने का मतलब यह भी होता है कि मैं कम से कम बाहर आकर अपने वोट का इस्तेमाल करूं।''

अब्दुल्ला मुंबई के 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज' (आईआईसीटी) में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। अब्दुल्ला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक है।

अब्दुल्ला ने कहा कि चाहे जम्मू-कश्मीर हो, महाराष्ट्र हो या मुंबई, लोगों की अपनी-अपनी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि जब नतीजे आएंगे तो वोट ही भविष्य का फैसला करेंगे। उन्होंने कहा, ''इस बार महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल भी कुछ अजीब था। न दोस्त थे, न दुश्मन। दोस्त दुश्मन बन गए और दुश्मन दोस्त। और अजीबो-गरीब रिश्ते बन गए।''

अब्दुल्ला ने कहा, ''कहीं कांग्रेस और भाजपा ने हाथ मिलाया। कहीं भाजपा और एआईएमएम ने हाथ मिलाया। कहीं एक ही पार्टी के दो हिस्से फिर से एक साथ आ गए। इन सबका नतीजों पर क्या असर होगा? मैं भी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'' महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) और अन्य 28 महानगरपालिकाओंके लिए चुनाव हो रहा है।

महाराष्ट्र चुनाव में 'स्याही' पर संग्राम, उद्धव ठाकरे बोले- सैनिटाइजर से मिट रही, धांधली हो रही

मुम्बई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों में चुनावी धांधली के आरोप लगाए। ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदान के बाद मतदाताओं की उंगलियों पर लगाई जाने वाली अमिट स्याही को नेल पॉलिश रिमूवर और सैनिटाइजर से आसानी से हटाया जा रहा है, जिससे कुछ लोग एक से अधिक बार वोट डाल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सत्ताधारी महायुति और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के बीच 'मिलीभगत' का सबूत है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे ने आरोप लगाया कि शायद यह पहला चुनाव है जिसमें इतनी शिकायतें आ रही हैं कि लगाई गई स्याही तुरंत हट रही है। चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी के बीच मिलीभगत है। कई अनियमितताएं हो रही हैं। चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग पर कटाक्ष किया और पूछा कि क्या उन्होंने स्याही को इतनी आसानी से हटाने के लिए किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा था? उन्होंने कहा कि क्या चुनाव आयोग ने किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा है? मुझे लगता है कि चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पिछले नौ वर्षों में क्या किया है? चुनाव आयोग एक सेवक है, राजा नहीं। मैं आप सभी से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग यह नहीं जानते कि उनका मतदान केंद्र कौन सा है...इसी वजह से कई समस्याएं आ रही हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने मोबाइल पर सैनिटाइजर या नेल पॉलिश रिमूवर से स्याही हटाने का कथित सबूत दिखाते हुए कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा, 'चुनाव आयुक्त वेतन क्यों ले रहे हैं? बीएमसी चुनाव नौ साल बाद हो रहे हैं। इन नौ सालों में उन्होंने क्या किया? यह जनता का पैसा है। ऐसा लगता है कि हमारे कर्मचारियों को हर दिन चुनाव आयुक्त के कार्यालय में बैठकर उनसे पूछना पड़ेगा कि उन्होंने क्या-क्या काम किया है।'

फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारी क्रेज 50 करोड़ से ज्यादा आए टिकट रिक्वेस्ट

लुसाने **(एजेंसी)**। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए दुनिया भर में उत्साह पहले कभी नहीं देखा गया, रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ टिकट बिक्री फेज के दौरान आधे बिलियन से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट सबमिट की गईं, जो गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 से मंगलवार, 13 जनवरी 2026 तक चला। सिर्फ 33 दिनों में सभी 211 फीफा मेंबर एसोसिएशन के देशों/टेरिटरी में रहने वाले फैन्स से एप्लीकेशन मिलीं।

मेजबान यूनाइटेड स्टेट्स, मेक्सिको और कनाडा टॉप एप्लीकेंट देशों में शामिल हैं, साथ ही जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, स्पेन, पुर्तगाल, अर्जेंटीना और कोलंबिया भी शामिल हैं। फैन्स को उनके टिकट एप्लीकेशन के नतीजे के बारे में 5 फरवरी से पहले ईमेल से बताया जाएगा। हर एप्लीकेशन को यूनिक क्रेडिट कार्ड डेटा से वैलिडेट किया गया, फैन्स ने 33 दिन की एप्लीकेशन विंडो में हर दिन एवरेज 15 मिलियन टिकट रिक्वेस्ट कीं जिसने दुनिया के खेल के इतिहास में डिमांड के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया।

उन सभी देशों और इलाकों में रहने वाले फैंस से एप्लीकेशन मिले, जहां फीफा के 211 मेंबर एसोसिएशन खेल को कंट्रोल करते हैं। इससे पता चलता है कि पहली बार हुए 48 टीमों वाले फीफा वर्ल्ड कप की दुनिया भर में कितनी अपील है। होस्ट देशों यूनाइटेड स्टेट्स, मेक्सिको और कनाडा के अलावा, सबसे ज़्यादा एप्लीकेशन जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, स्पेन, पुर्तगाल, अर्जेंटीना और कोलंबिया में रहने वाले फैंस से आए।

इस सेल्स फेज में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला मैच शनिवार 27 जून को मियामी में कोलंबिया बनाम पुर्तगाल था। टॉप 5 में गुरुवार 18 जून को ग्वाडलहारा में मेक्सिको बनाम कोरिया रिपब्लिक; रविवार, 19 जुलाई को न्यूयॉकर् न्यू जर्सी में फाइनल; गुरुवार, 11 जून को मेक्सिको सिटी में मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच टूर्नामेंट का पहला मैच; और गुरुवार, 2 जुलाई को टोरंटो में राउंड-ऑफ-32 मैच शामिल हैं जिससे तीनों होस्ट देशों में बड़े मैचों और नॉकआउट-स्टेज मुकाबलों की जबरदस्त अपील का पता चलता है।

फीफा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'सिर्फ एक महीने में आधा बिलियन टिकट रिक्वेस्ट, डिमांड से ज़्यादा हैं - यह एक ग्लोबल स्टेटमेंट है। फीफा की तरफ से मैं इस जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए दुनिया भर के फुटबॉल फैन्स को धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं।' रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ एप्लीकेशन पीरियड खत्म होने के बाद फीफा टिकटिंग यह वेरिफाई करेगा कि टिकट रिक्वेस्ट, टिकट देने से पहले एप्लीकेशन की जरूरतों और घर की लिमिट को पूरा करती हैं।

एक बार जब यह प्रोसेस खत्म हो जाएगा और जहां डिमांड मौजूद इन्वेंट्री से ज्यादा हो जाएगी, तो सभी एप्लिकेंट्स के लिए फेयरनेस और बराबर मौका पक्का करने के लिए रैंडम सिलेक्शन प्रोसेस के जरिए टिकट दिए जाएंगे। फैन्स को उनके टिकट एप्लीकेशन के नतीजे की जानकारी 5 फरवरी से पहले ईमेल से दी जाएगी। सभी सफल और कुछ हद तक सफल टिकट एप्लिकेंट को ईमेल से जानकारी मिलेगी और बाद में उनसे उनके टिकट के लिए अपने आप चार्ज लिया जाएगा।

कुछ हद तक सफल एप्लीकेशन का मतलब है कि फैन को एक मैच के लिए रिक्वेस्ट किए गए टिकट मिलेंगे, लेकिन सभी रिक्वेस्ट किए गए मैच के लिए नहीं। जो फैन्स इस फेज में सफल नहीं होते हैं, उन्हें टूर्नामेंट के करीब, जब लास्ट-मिनट सेल्स फेज खुलेगा, तब बचा हुआ स्टॉक खरीदने का एक और मौका मिलेगा। इस विंडो के दौरान जो टूर्नामेंट के आखिर तक चलेगी, टिकट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर बेचे जाएंगे।

मैच के बाद पसंदीदा खाना कौन सा है? हरमनप्रीत कौर ने किया खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय महिला टीम और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को छोले भटूरे और बटर चिकन बेहद पंसद है। जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि मैच के बाद उनका पसंदीदा खाना कौन सा है। उन्होंने कहा, 'छोले भटूरे और बटर चिकन।' इस बातचीत के दौरान उन्होंने उन खिलाड़ियों के नाम बताए जो सबसे बड़े शरारती हैं। उन्होंने कहा, 'हेली मैथ्यूज और शबनीम इस्माइल को जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे युवा लड़कियों की टांग खींचती रहती हैं।' हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें क्रिकेट के अलावा फुटबॉल बेहद पंसद है। जब उनसे पूछा गया कि अगर क्रिकेट नहीं तो वह कौन सा खेल खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल, मुझे फुटबॉल बहुत पसंद है।' ड्रेसिंग रूम में सबसे अधिक बजने वाले गाने और उनके पसंदीदा गाने को लेकर उन्होंने कहा, 'पंजाबी बीट गाने। अभी मुझे पंजाबी गाना बैड बॉय बेहद पसंद है।' उन्होंने कहा कि शबनीम इस्माइल सबसे मुश्किल गेंदबाज है। उन्होंने कहा, 'प्रैक्टिस नेट में मैं कह सकती हूं शबनीम इस्माइल का सामना करना बहुत मुश्किल है।' अपनी कप्तानी के अंदाज में वह एक चीज जो कभी नहीं बदलना चाहेंगी। उन्होंने कहा, 'मेरी कप्तानी के अंदाज में एक चीज जो मैं कभी नहीं बदलना चाहती, वह है मैदान पर आक्रामकता। क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर से सबसे अच्छा निकालता है। मैदान के बाहर मुझे गुस्सा नहीं आता।'

कॉपर की कीमतों में बंपर उछाल, एसी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आप इस गर्मी नया एयर कंडीशनर (एसी) खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपकी जेब को झटका दे सकती है। दरअसल, एसी में इस्तेमाल होने वाले कॉपर की कीमतों में बीते एक साल के दौरान तेज उछाल देखने को मिला है, जिसके चलते कंपनियां एसी की कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

कॉपर का इस्तेमाल एसी की कॉइल, वायरिंग और अन्य अहम पार्ट्स में होता है। बीते एक साल में कॉपर की कीमतों में करीब 60 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके बाद एयर कंडीशनर बनाने वाली कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ गया है और अब इसका असर ग्राहकों पर पड़ना तय माना जा रहा है।

कॉपर की बढ़ती कीमतों का असर सिर्फ एयर कंडीशनर तक सीमित नहीं रहेगा। घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत भी बढ़ सकती है। इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉपर के महंगा होने से एसी की कीमतों में 7 से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

जनवरी की शुरुआत में घरेलू बाजार में कॉपर फ्यूचर्स 1, 307 से बढ़कर करीब 1, 330 रुपये प्रति किलो के आसपास कारोबार कर रहे हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉपर की कीमतें 12, 000 डॉलर प्रति टन के करीब पहुंच गई हैं, जिसे साल 2025 का सबसे ऊंचा स्तर बताया जा रहा है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एप्लायंसेज बिजनेस के ईवीपी कमल नंदी के मुताबिक, एसी कैटेगरी में इनपुट कॉस्ट 8 से 10 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। इसका असर आने वाले दिनों में बाजार में दिखेगा और एसी की कीमतों में 7 से 8 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है।

इस कड़ी में वोल्टास, हवल्स, क्रॉम्पटन ग्रीव्स और पॉलीकैब जैसी कई बड़ी कंपनियां भी एसी के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं। ऐसे में गर्मी बढ़ने से पहले एसी खरीदने की सोच रहे ग्राहकों को अब ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए।

श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

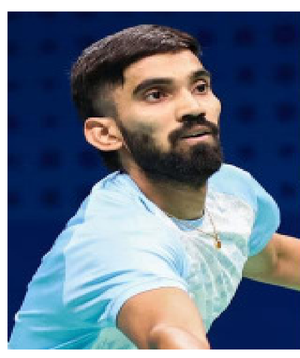

गूगल ने भारतीय स्टार्टअप के लिए 'बाजार पहुंच कार्यक्रम' शुरू किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने बृहस्पतिवार को भारतीय स्टार्टअप फर्मों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद देने के लिए 'बाजार पहुंच कार्यक्रम' की शुरुआत की। इसके साथ ही कंपनी ने अपने मुक्त-स्रोत मॉडल के समूह 'जेम्मा' में नए एआई मॉडल जोड़ने की भी घोषणा की। गूगल ने कहा कि यह पहल भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) संबंधी ढांचे से जुड़े उसके निवेश को आगे बढ़ाती है। कंपनी पहले ही आंध्र प्रदेश में एआई बुनियादी ढांचा केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर चुकी है। विशाखापत्तनम में स्थापित वैश्विक एआई केंद्र को हरित ऊर्जा से संचालित किया जा रहा है और इसमें गूगल के उन्नत एआई चिप का इस्तेमाल होगा, जिससे भारतीय स्टार्टअप फर्मों को उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग सुविधाएं मिल सकेंगी।

गूगल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'बाजार पहुंच कार्यक्रम' का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप फर्मों को स्थानीय स्तर पर किए गए प्रयोगों से सीधे वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद करना है। यह कार्यक्रम उन एआई-आधारित स्टार्टअप फर्मों के लिए है जो शुरुआती चरण से आगे बढ़ चुके हैं और अब बड़े स्तर पर काम करना चाहते हैं। गूगल ने जेम्मा एआई मॉडल परिवार के तहत मेडजेम्मा 1.5 और फंक्शनजेम्मा जैसे नए मॉडल भी पेश किए। मेडजेम्मा 1.5 मॉडल स्वास्थ्य क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली उन्नत एआई जरूरतों को पूरा करेगा जबकि फंक्शनजेम्मा हल्का मॉडल है जो मोबाइल या उपकरणों पर सुरक्षित तरीके से एआई आधारित काम करने में मदद करेगा।

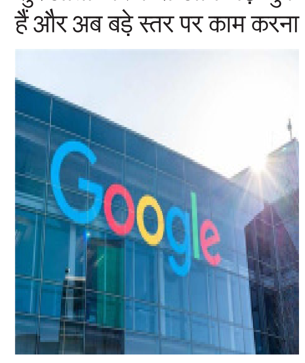

इस मौके पर गूगल की क्षेत्रीय प्रबंधक (भारत) प्रीति लोबाना ने कहा, 'एआई अब सिर्फ अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग तक पहुंच चुका है।' उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप अब एआई का सिर्फ प्रयोग नहीं कर रहे बल्कि वे अब अपनी क्षमता को भरोसेमंद उत्पादों और कारोबार में भी बदल रहे हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज जय शाह ने सभी टीमों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में आज से शुरू हो रहे आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने सभी भाग लेने वाली टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट को क्रिकेट की अगली पीढ़ी के सितारों के लिए सबसे बड़ा मंच बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए अपने संदेश में जय शाह ने कहा, '15 जनवरी से मेजबान देशों जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू हो रहे आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए सभी टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं। यह युवा प्रतियोगिता लंबे समय से क्रिकेट के कई महान सितारों का रास्ता रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि इस बार भी दुनिया को नए स्टार मिलेंगे।'

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 इस आयु वर्ग के 50 ओवरों वाले टूर्नामेंट का 16वां संस्करण है। इसमें कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट के लिए टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है, जिनमें हर ग्रुप में चार-चार टीमें हैं।

भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जहां उसका सामना न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और अमेरिका से होगा। भारत अपने सभी ग्रुप मैच बुलावायो में खेलेगा। भारतीय टीम आज टूर्नामेंट के पहले ही दिन क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

स्वच्छ ईंधन में वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश जरूरी : डब्ल्यूईएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्वच्छ ईंधन से जुड़े वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना कर सालाना 100 अरब डॉलर पर ले जाने की जरूरत होगी। बृहस्पतिवार को एक अध्ययन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की अगले हफ्ते दावोस में शुरू होने वाली वार्षिक बैठक से पहले जारी यह रिपोर्ट कहती है कि स्वच्छ ईंधन ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पारंपरिक ईंधन की तुलना में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र दो से तीन गुना ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकता है और देशों की ऊर्जा आपूर्ति को अधिक विविध बना सकता है। स्वच्छ ईंधन के तहत जैव ईंधन, हाइड्रोजन आधारित ईंधन और कम कार्बन वाले जीवाश्म ईंधन शामिल हैं। ये ईंधन परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन घटाने में मददगार हैं। फिलहाल तरल और गैसीय ईंधन दुनिया की कुल ऊर्जा जरूरतों का 56 प्रतिशत हिस्सा पूरा करते हैं। हालांकि अभी स्वच्छ ईंधन में निवेश का अनुपात स्वच्छ ऊर्जा निवेश के एक प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर निवेश की रफ्तार नहीं बढ़ी, तो तय लक्ष्य पूरे नहीं हो पाएंगे। इस समय दुनिया भर में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र में सालाना करीब 25 अरब डॉलर का निवेश हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्वच्छ ईंधन के लिए मजबूत संभावनाएं हैं, लेकिन बड़े लक्ष्यों को जमीन पर उतारने के लिए हकीकत को समझते हुए ठोस और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी। वैश्विक स्वच्छ ईंधन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 2030 तक कम-से-कम 100 अरब डॉलर सालाना निवेश जरूरी होगा।'

डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट कहती है कि स्वच्छ ईंधन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में शुरुआती लागत अधिक होने, मांग को लेकर अनिश्चितता और नीतिगत असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इन्हें दूर करने के लिए सरकार, उद्योग और वित्तीय संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल और स्पष्ट नीतियों की जरूरत होगी। इस श्वेत-पत्र को बैन एंड कंपनी के सहयोग से तैयार किया गया है। रिपोर्ट में ऐसे नीतिगत, कारोबारी और वित्तीय उपायों का खाका पेश किया गया है जो वैश्विक लक्ष्यों को भरोसेमंद और आर्थिक रूप से टिकाऊ परियोजनाओं में बदल सकता है।

भारत के बैंकिंग सेक्टर को मिलेगी मजबूती, जापान के एसएमबीसी को सब्सिडियरी खोलने की मंजूरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के बैंकिंग सेक्टर के लिए आने वाला समय और मजबूत होने वाला है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) को भारत में पूरी तरह से अपनी कंपनी यानी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (डब्ल्यूओएस) खोलने के लिए शुरुआती मंजूरी दे दी है। यह जानकारी आरबीआई ने 14 जनवरी को दी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह मंजूरी वर्ष 2025 के नियमों के तहत दी गई है, जिनके तहत विदेशी बैंकों को भारत में पूरी तरह से स्वामित्व वाली सब्सिडियरी खोलने की अनुमति है। फिलहाल एसएमबीसी भारत में ब्रांच मोड के जरिए काम कर रहा है और नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में इसकी चार शाखाएं हैं। अब इन शाखाओं को डब्ल्यूओएस में बदलने की शुरुआती अनुमति दे दी गई है।

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22(1) के तहत एसएमबीसी को डब्ल्यूओएस के रूप में बैंकिंग कारोबार शुरू करने का अंतिम लाइसेंस बाद में दिया जाएगा। यह लाइसेंस तभी मिलेगा जब बैंक आरबीआई द्वारा तय की गई सभी शर्तों और नियमों का पूरी तरह पालन करेगा। भारत में सब्सिडियरी बैंक बनने से एसएमबीसी को अपने कारोबार में ज्यादा लचीलापन और स्वतंत्रता मिलेगी, जिससे वह भारतीय बाजार में अपनी सेवाओं का विस्तार कर सकेगा। एसएमबीसी जैसी बड़ी जापानी बैंक की भारत में मौजूदगी से जापान से निवेश और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा। भारत-जापान के बीच कारोबार करने वाली कंपनियों को बेहतर फाइनेंस, लोन और ट्रेजरी सेवाएं मिलेंगी।

'आइटम सॉन्ग करके अच्छा' 52 साल की मलाइका अरोड़ा का बेबाक बयान, ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़

मलाइका अरोड़ा 52 साल की हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में तहलका मचाकर रखा हुआ है। वह जिस भी फिल्म में आइटम सॉन्ग करती हैं वो गाना छा जाता है। मलाइका अरोड़ा का आइटम सॉन्ग मुन्नी बदनाम हुई हर किसी की जुबां पर रहता है लेकिन इसके अलावा भी उन्होंने कई गानों में अपनी अदाएं दिखाई हैं। साल 2025 में मलाइका यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो 'चिलगम' में नजर आई थीं। इसके बाद वह फिल्म 'थामा' के गाने 'पॉइजन बेबी' में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। मलाइका कई बार अपने आइटम सॉन्ग की वजह से ट्रोल भी होती हैं और वजह उनकी उम्र हैं। इस पर अब मलाइका ने मजेदार रिएक्शन दिया है।

मलाइका अरोड़ा ने नम्रता जकारिया के यूट्यूब शो में अपने करियर और पर्नसल लाइफ पर बात की। इस मौके पर मलाइका से उनके आइटम सॉन्ग के बारे में पूछा गया और ट्रोलिंग पर सीधा सवाल किया गया। बदले में मलाइका अरोड़ा ने भी शानदार अंदाज में सीधा जवाब दिया, जिससे ट्रोलर्स की बोलती बंद हो जाएगी। उनसे पूछा गया कि क्या वह इस इमेज को अपना मानती हैं, जो उनकी परफॉर्मेंस से जुड़ी है? इस पर उन्होंने कहा, 'क्यों नहीं? मुझे इस काम को करने या इसके लिए माफी मांगने की क्या जरूरत है? आपको चीजों के लिए ट्रोल किया जाता है। बहुत से लोग अलग-अलग बातें कहते हैं, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि इसमें इतनी बड़ी क्या बात है।'

मलाइका अरोड़ा ने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए आगे कहा कि डांस एक एक्सप्रेशन है और मुझे सच मंय बहुत अच्छा लगता है कि मैं 52 साल की उम्र में ये सब आराम से कर पाती हूं। मैं जरूर कुछ तो सही कर रही हूं। मलाइका ने इस मौके पर अपने काम की भी बात की और कहा, 'ये बहुत ही एम्पावरिंग है। इससे मुझे बहुत अच्छा लगता है और हमेशा ही अच्छा महसूस होता है।'

बता दें कि मलाइका ने कई शानदार गाने किए हैं, जिसमें सबसे पहले चल छैयां छैयां है। इस गाने में मलाइका ने ट्रेन पर खड़े होकर डांस किया था, जिसमें शाहरुख खान भी हैं। इसके अलावा, वह हाउसफुल 2 के अनारकली, दबंग में मुन्नी बदनाम, वेलकम में होठ रसीले जैसे हिट गाने किए हैं।

क्या उदयपुर में राहुल मोदी संग सात फेरे लेंगी श्रद्धा? शादी की खबरों पर भाई सिद्धांत कपूर ने तोड़ी चुप्पी

साल 2026 की शुरुआत के साथ ही बॉलीवुड में शादियों का सीजन भी शुरू हो चुका है। कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन की शादी के बाद अब गलियारों में चर्चा है कि बॉलीवुड की 'नेशनल क्रश' श्रद्धा कपूर भी जल्द ही दुल्हन बनने वाली हैं। खबरें हैं कि श्रद्धा अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड और लेखक राहुल मोदी के साथ उदयपुर में एक भव्य हेरिटेज वेडिंग की योजना बना रही हैं।

एक सोशल मीडिया पेज ने एक पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, 'रिपोर्ट्स के मुताबिक, बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी करने जा रही हैं, सूत्रों के अनुसार उदयपुर में एक खूबसूरत हेरिटेज शादी होगी। हालांकि अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने पहले ही सोशल मीडिया पर खुशी और दिल टूटने की मिली-जुली भावनाएं पैदा कर दी हैं। सालों से, श्रद्धा को प्यार से नेशनल क्रश कहा जाता है, उनकी सादगी और चार्म के लिए उनकी तारीफ की जाती है। फैंस मज़ाक कर रहे हैं कि यह टाइटल शायद आखिरकार रिटायर हो जाएगा, लेकिन साथ ही, कई लोग उन्हें ज़िंदगी के एक नए पड़ाव में जाते देखकर सच में खुश हैं।' इस पर रिएक्शन देते हुए सिद्धांत कपूर ने कहा, '(कई हैरान और हंसने वाले इमोजी) ये तो मेरे लिए भी न्यूज़ है।'

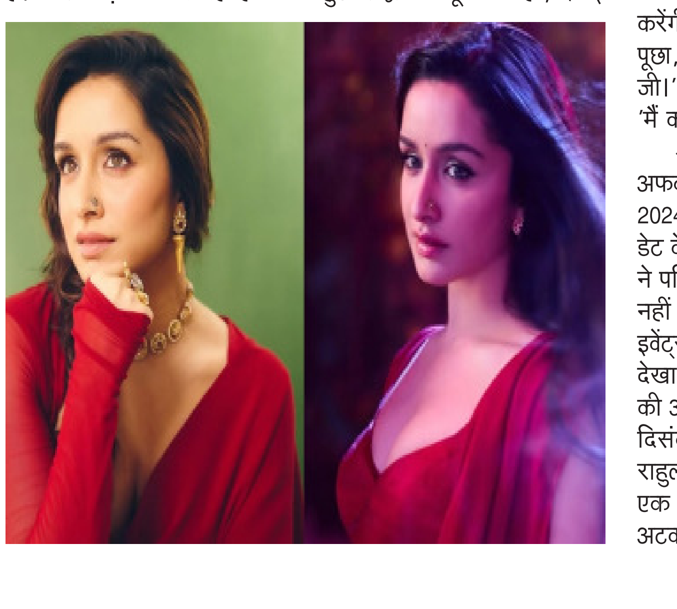

हाल ही में, श्रद्धा ने खुद अपनी शादी के बारे में तब शक पैदा किया जब उन्होंने एक फैन के सवाल का जवाब दिया कि वह कब शादी करेंगी। सोशल मीडिया यूज़र ने पूछा, 'शादी कब करोगी श्रद्धा कपूर जी।' इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, 'मैं करूंगी, मैं विवाह करूंगी।'

श्रद्धा और राहुल के डेटिंग की अफवाहें तब शुरू हुईं जब उन्हें 2024 की शुरुआत में एक डिनर डेट के बाद साथ देखा गया। दोनों ने पब्लिकली अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, उन्हें अक्सर इवेंट्स और पब्लिक जगहों पर साथ देखा जाता था। 2024 में ब्रेकअप की अफवाहें थीं, लेकिन एक्ट्रेस ने दिसंबर 2024 में इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ वड़ा पाव डेट की एक तस्वीर पोस्ट करके इन अटकलों को खत्म कर दिया।